RNI-UPHIN/2009/30721

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

गुरुवार 13 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :42 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 28 बजे

पृष्ठ 4 लाल किला हादसा : सुरक्षा के घेरे में असुरक्षा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 027 | गाजियाबाद, गुरुवार 13 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

लाल किला विस्फोट के पलों को रिकॉर्ड करने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। दिल्ली में लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट के पलों को रिकॉर्ड करने वाला एक सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सामने आया। यह दृश्य लाल किले के चौराहे पर लगाए गए एक निगरानी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, उसमें विस्फोट से पहले सड़क पर भारी यातायात की आवाजाही दिखाई देती है और फिर अचानक एक भीषण विस्फोट होता है। सोमवार शाम करीब छह बजकर 50 मिनट पर हुआ यह विस्फोट एक लाल गुब्बारे के फटने जैसा दिखायी दिया, जिसके तुरंत बाद अफरातफरी और दहशत फैल गयी तथा लोग छिपने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस सीसीटीवी फुटेज ने धमाके के समय की पुष्टि की है जिसके बारे में पहले ही जांचकर्ताओं ने बताया था। माना जा रहा है कि गाड़ी को डॉ. उमर नबी चला रहा था जो हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर था।

अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय जाने के मुद्दे पर शीर्ष SC की 3 सदस्यीय पीठ करेगी सुनवाई

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को यह मुद्दा तीन न्यायाधीशों की पीठ को सौंप दिया कि क्या अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय जाना पक्षकार की पसंद है या वादियों के लिए पहले सत्र न्यायालय का रुख करना अनिवार्य है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई तीन न्यायाधीशों की पीठ के गठन के बाद ही की जाएगी।शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, ''इस मामले की सुनवाई तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा किए जाने की आवश्यकता है।'' उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को न्यायमित्र नियुक्त किया था। शीर्ष अदालत ने आठ सितंबर को केरल उच्च न्यायालय की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सीधे सुनवाई करने की 'नियमित प्रथा' पर ध्यान दिया था, जिसमें वादी को सत्र न्यायालय में जाने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रधानमंत्री की डिग्री मामले में अदालत ने डीयू से देरी के लिए माफी की याचिकाओं पर जवाब मांगा

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक की डिग्री के विवरण के खुलासे से संबंधित आदेश को चुनौती देने वाली अपील दायर करने में देरी के लिए माफी मांगने वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने विश्वविद्यालय को याचिकाओं पर अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। पीठ को सूचित किया गया कि एकल न्यायाधीश के अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली अपील दायर करने में देरी हुई है। पीठ ने कहा, ''भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता प्रतिवादी (दिल्ली विश्वविद्यालय) की ओर से पेश हुए। देरी के लिए माफी मांगने वाली याचिकाओं पर आपत्ति तीन सप्ताह के भीतर दायर की जा सकती है। अपीलकर्ताओं द्वारा उक्त आपत्ति का जवाब, यदि कोई हो, उसके बाद दो सप्ताह के भीतर दायर किया जाए।''

टीएमसी ने लगाया चुनाव आयोग पर बूथ एजेंटों की नियुक्ति के नियमों में 'चुपचाप' संशोधन करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग पर पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के बीच बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति के नियमों में "चुपचाप" संशोधन करने का आरोप लगाया।

आतंकी साजिश का पर्दाफाश: गणतंत्र दिवस पर हमले की थी साजिश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली विस्फोट के आरोपी डॉक्टर मुज़म्मिल और डॉक्टर उमर ने एक बड़ी आतंकी साजिश के तहत लाल किले की रेकी की थी और इस मॉड्यूल की साजिश गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को लाल किले को निशाना बनाने की थी। शीर्ष सूत्र ने यह भी खुलासा किया है कि यह मॉड्यूल दिवाली के दौरान भी भीड़भाड़ वाली जगह पर हमले की भी साजिश रच रहा था।

सूत्र ने कहा, 'हमने खुलासा किया है कि उसने कथित आत्मघाती हमलावर डॉक्टर मुज़म्मिल ने डॉक्टर उमर के साथ मिलकर जनवरी के पहले हफ्ते में लाल किले की रेकी की थी। यह महत्वपूर्ण जानकारी डॉक्टर मुज़म्मिल के फोन के डंप डेटा से प्राप्त की गई थी।' यह खुलासा तब हुआ जब सुरक्षा एजेंसियों को 'डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल' मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली। 10 नवंबर को शाम 6:52 बजे लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के सिलसिले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन को हिरासत में लिया गया। सभी गिरफ्तारियां जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा की गईं और अब तक कुल 56 डॉक्टरों से पूछताछ की जा चुकी है।

जांच का पता जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले एक आपत्तिजनक पोस्टर से चलता है। इस संबंध में 19 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया था।

10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के बाद उत्तरी दिल्ली के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस प्राथमिकी में धमाके को बम विस्फोट का नतीजा बताया गया है।

जांच विवरण से पता चलता है कि डॉ. उमर उस चलती आई-20 कार में सवार था जिसमें विस्फोट हुआ था। डॉ. उमर इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के लिए वांछित है।

डॉ. उमर ने लाल किला मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में लगभग तीन घंटे बिताए, इस दौरान वह लगातार किसी के संपर्क में था। सीसीटीवी विश्लेषण से पता चलता है कि कार दोपहर 3:19 बजे पार्क की गई थी और तीन घंटे बाद शाम 6:48 बजे पार्किंग क्षेत्र से बाहर निकली, उस समय जब क्षेत्र में विशेष भीड़भाड़ थी।

दिल्ली विस्फोट की जांच अब एनआईए कर रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली कार विस्फोट की जांच के लिए एनआईए की विशेष टीम का गठन, विस्फोट के तार पाकिस्तान से जुड़े

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दिल्ली कार विस्फोट जांच की जिम्मेदारी संभालने के एक दिन बाद बुधवार को एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में 10 अधिकारी शामिल हैं जिसका नेतृत्व अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) विजय साखरे करेंगे। इसका उद्देश्य जांच का दायरा बढ़ाना है। इस टीम में एक महानिरीक्षक (आईजी), दो उप महानिरीक्षक (डीआईजी), तीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शामिल हैं।

एनआईए की जांच में दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी सहायता कर रहे हैं। शीर्ष सूत्रों ने वार्ता से कहा कि दिल्ली कार विस्फोट के तार पाकिश्तान से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। डॉ. मुज़म्मिल और अन्य संदिग्धों से पूछताछ में प्राप्त जानकारी के आधार पर विस्फोट के साथ पाकिश्तान का संबंध जोड़ा गया है।

सूत्र ने कहा, 'इन संपर्कों का संबंध मौदुद्दीन औरंगज़ेब आलम से हो सकता है जिसे अम्मार अल्वी के नाम से भी जाना जाता है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, मौदुद्दीन हमले का कथित संचालक था। निशाने पर पांच राज्यों के प्रमुख शहर थे। हमलों के लिए पुराने वाहनों का उपयोग योजना के अनुसार किया गया ताकि पहचान छुपायी जा सके।' इस बीच, पुलिस ने प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि लाल किले के बाहर हुए विस्फोट में आठ वाहन पूरी तरह क्षतिग्रश्त हो गए। इसके अलावा, ई-रिक्शा, ऑटो, टैक्सी और बसों सहित 22 अन्य वाहन भी क्षतिग्रश्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, विस्फोटक एक आई20 कार की पिछली सीट पर रखा गया था। एक सूत्र ने कहा, 'डॉ. उमर मोहम्मद लाल किला पार्किंग क्षेत्र में भी गया था क्योंकि पहले वहां विस्फोट करने की योजना थी। लेकिन सोमवार होने के कारण लाल किला बंद था और वहां भीड़-भाड़ नहीं थी इसलिए वह पार्किंग क्षेत्र से चला गया।' सूत्रों के अनुसार, अपने साथियों की गिरफ्तारी और सारे विस्फोटक जब्त होने से डॉ. उमर घबरा गया था। उसे अपनी गिरफ्तारी का डर था और इसी घबराहट में उसने कार के अंदर ही विस्फोट कर दिया।

भूटान से लौटते ही घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे PM

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान यात्रा से लौटते ही बुधवार को यहां लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल जाकर दिल्ली विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। श्री मोदी विस्फोट के एक दिन बाद मंगलवार को भूटान की दो दिन की यात्रा पर गए थे और आज दोपहर वहां से लौटते ही वह हवाई अड्डे से सीधे अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिले। डाक्टरों और अधिकारियों ने उन्हें उपचार से संबंधित जानकारी से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री ने विस्फोट में घायल लोगों से बातचीत कर उनकी तबियत के बारे में पूछा और डॉक्टरों से उनके उपचार के बारे में जानकारी ली।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ,' एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिला। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस षड़यंत्र के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। '

मंगलवार शाम लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गयी थी और 20 से अधिक घायल हैं। श्री मोदी ने भूटान की राजधानी थिम्पू में भी एक कार्यक्रम में कहा था कि इस षड़यंत्र में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस बीच गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच का काम मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेन्सी को सौंप दिया था।

किराया अनुबंध पर स्टांप ड्यूटी आठ हजार से घट कर 500 रुपये करने का प्रस्ताव

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश सरकार ने किरायेदारों और मकान मालिकों को बड़ी राहत देते हुए किराया अनुबंधों पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क में भारी कटौती करने का निर्णय लिया है। इस कदम का उद्देश्य किराये के समझौतों को कानूनी रूप से पंजीकृत कराने को बढ़ावा देना और अनौपचारिक व्यवस्थाओं से उत्पन्न विवादों को कम करना है।

सरकार इसके साथ ही एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिसके माध्यम से किरायेदार और मकान मालिक आधार सत्यापन के जरिए डिजिटल रूप से किराया अनुबंध तैयार और हश्ताक्षर कर सकेंगे। इससे उप-पंजीयक कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। यह नया सिस्टम राज्य के संपत्ति पंजीकरण पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे लोग अपने घर बैठे ही किराया अनुबंध पंजीकृत करा सकेंगे।

स्टांप एवं पंजीयन विभाग की ओर से राज्य मंत्रिमंडल को भेजे गए प्रश्ताव के अनुसार, विभिन्न श्रेणियों में किराया अनुबंधों पर स्टांप ड्यूटी में भारी कमी की जाएगी। वर्तमान में एक वर्ष की अवधि और सालाना किराया दो लाख रुपये तक वाले अनुबंध पर चार प्रतिशत यानी लगभग 8,000 रुपये की स्टांप ड्यूटी लगती है। प्रश्ताव के अनुसार, अब यह घटकर सिर्फ 500 रुपये रह जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक, यह सुधार राज्य के किराया बाजार को औपचारिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम है। अभी अधिकांश मकान मालिक और किरायेदार 11 माह के अनुबंध करते हैं ताकि उन्हें रजिस्ट्री की झंझट और भारी शुल्क से बचा जा

सके, मगर ऐसे अनुबंध कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते और विवाद की स्थिति में अदालतों में टिक नहीं पाते।

आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024–25 में राज्य में केवल 36,000 किराया अनुबंध पंजीकृत हुए थे, जबकि वाश्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक मानी जाती है। अधिकारियों का मानना है कि शुल्क में कटौती के बाद पंजीकरणों में कई गुना वृद्धि होगी। अधिकारियों की मानें तो वर्तमान नियमों के तहत किराया अनुबंध अधिकतम 30 वर्ष तक किए जा सकते हैं। 30 वर्ष तक के अनुबंधों पर स्टांप ड्यूटी किराये के मूल्य पर लगती है, जबकि इससे अधिक अवधि वाले अनुबंधों पर भूमि मूल्य के आधार पर शुल्क तय होता है जिससे ऐसे दीर्घकालिक अनुबंध अत्यंत महंगे और दुर्लभ हो जाते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह राहत 10 वर्ष तक की अवधि वाले अनुबंधों पर लागू होगी। आगे चलकर इसे दीर्घकालिक अनुबंधों पर भी लागू करने की संभावना है। विभाग की महानिरीक्षक (आईजी) नेहा शर्मा ने बताया कि "कई दौर की समीक्षा और आपत्तियाँ आमंत्रित करने के बाद प्रश्ताव तैयार कर लिया गया है, जिसे शीघ्र ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने की संभावना है।"

'समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के बचाव में उतरी', अबू आजमी के बयान पर प्रदीप भंडारी ने जताई कड़ी आपत्ति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दिल्ली कार ब्लास्ट पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाए कि समाजवादी पार्टी अब उमर, मुजम्मिल और शाहीन का समर्थन कर रही है। ये वही आरोपी हैं, जो दिल्ली ब्लास्ट मामले में आतंकी संबंधों की जांच के घेरे में हैं।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने अबू आजमी के बयान को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर करते हुए लिखा, "समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के बचाव में उतरी है। अबू आजमी ने कहा है कि 'किसी भी निर्दोष को गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए।' यह वही समाजवादी पार्टी है जिसने कभी आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने की बात कही थी।"

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रदीप भंडारी ने कहा, "राहुल गांधी और अखिलेश यादव जल्द ही इस रुख को उचित ठहराने की कोशिश करेंगे।" दिल्ली में लाल किला मेट्रो

स्टेशन के पास हुए कार ब्लास्ट पर समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अपनी नाकामी को छिपाने के लिए किसी निर्दोष को पकड़कर जेल में डाल देना, यह नाइंसाफी है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट का उदाहरण देते हुए अबू आजमी ने कहा, "मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में 187 लोग मारे गए थे, लेकिन किसी को सजा नहीं हुई। बस झूठ में लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया गया। वे लोग 19 साल तक जेल में रहे। इस तरह का किसी के साथ नहीं होना चाहिए। झूठे आरोप में किसी को नहीं पकड़ा जाना चाहिए।"

दिल्ली विस्फोट : अबतक 15 गिरफ्तार, तीन हिरासत में

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली धमाके में जैश-ए-मोहम्मद के लिए कथित तौर पर काम करने वाले एक 'डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल' के सिलसिले में कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन को हिरासत में लिया गया है। ये गिरफ्तारियाँ जम्मू-कश्मीर पुलिस ने की हैं और अब तक कुल 56 डॉक्टरों से पूछताछ की जा चुकी है। इस मॉड्यूल पर सोमवार शाम 6:52 बजे लाल किले में हुए विस्फोट का आरोप है।

अस्पताल के सूत्रों ने एक मीडिया संस्थान को बताया कि मृतकों के शरीर पर किसी विस्फोटक सामग्री के होने का प्रमाण नहीं मिला, हालांकि जांचकर्ताओं को संदेह है कि विस्फोट में एक संशोधित विस्फोटक का इश्तेमाल किया गया होगा। इस पूरे प्रकरण की शुरुआत श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले एक आपत्तिजनक पोस्टर से हुई। इससे पहले 19 अक्टूबर को धमकी के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया और जांच शुरू की गयी। जाँच के शुरुआती चरण में 20 से 27 अक्टूबर के बीच शोपियाँ से मौलवी इरफ़ान अहमद वाघ और गंदेरबल के वाकुरा से ज़मीर अहमद की गिरफ़्तारी हुई। सहारनपुर से पांच नवंबर को डॉक्टर आदिल की गिरफ़्तारी हुई, जिसके बाद सात नवंबर को अनंतनाग अस्पताल से एक एके-47 राइफल और अन्य गोला-बारूद बरामद हुआ। फिर, आठ नवंबर को फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय से और राइफलें, पिश्तौलें और गोला-बारूद बरामद हुए। बाद में हुई पूछताछ में मॉड्यूल के और सदस्यों का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप डॉक्टर मुज़म्मिल की गिरफ़्तारी हुई और हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा ज़खीरा से जब्त किया गया। नौ नवंबर को फरीदाबाद के धोज निवासी मद्रासी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया।

सेनाओं ने किया तत्परता का अद्भुत प्रदर्शन, पश्चिमी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संयुक्तता और मिशन तत्परता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए थलसेना और भारतीय वायुसेना ने एक समन्वित एयरबोर्न अभ्यास को अंजाम दिया। दोनों सेनाओं ने यह प्रदर्शन अभ्यास 'मरु ज्वाला' के तहत किया है।

इस प्रभावशाली अभ्यास में थलसेना व वायुसेना ने सटीकता, तालमेल और परिचालन दक्षता का अद्वितीय प्रदर्शन किया।

वहीं भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान सीमा के पास राजस्थान के थार रेगिशतान में सैन्य अभ्यास 'महागुजराज' को अंजाम दिया है। सेना के मुताबिक, इस अभ्यास ने यह सिद्ध किया कि भारतीय सशस्त्र बल जटिल एयरबोर्न अभियानों की योजनाओं, समन्वय और निष्पादन में एकीकृत रूप से कार्य करने में सक्षम हैं।

सेना ने बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह अभ्यास भारतीय सशस्त्र बलों की संयुक्त युद्धक क्षमता का शानदार प्रतीक रहा। यहां सशस्त्र बलों के बीच रणनीतिक तालमेल और तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली। यह रणनीतिक तालमेल भविष्य के बहु-आयामी युद्धक्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाने में सक्षम है।

यह अभ्यास दक्षिणी कमान की सुदर्शन चक्र कोर के तहत एकीकृत

त्रि-सेवा अभ्यास 'त्रिशूल' का हिस्सा था। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने प्रत्यक्ष रूप से इस अभ्यास को देखा।

उन्होंने एयरबोर्न बलों, सुदर्शन चक्र कोर और भारतीय वायुसेना के अधिकारियों व जवानों की उच्च शतर की संचालनिक तत्परता और पेशेवर क्षमता की सराहना की। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान सीमा के पास राजस्थान के थार रेगिशतान में सैन्य अभ्यास 'महागुजराज' पूरा किया है। इसी दौरान थल सेना, वायुसेना और नौसेना ने संयुक्त अभ्यास भी किया। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं की संयुक्त युद्धक क्षमताओं और समन्वय का प्रदर्शन करना था। यह संयुक्त त्रि-सेवा युद्धाभ्यास 'त्रिशूल' का हिस्सा था।

वहीं वायुसेना के अभियान 'महागुजराज' नाम से संचालित किए गए। भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी क्षेत्र में अभ्यास महागुजराज-25 का आयोजन किया।

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिली, घर पर ही स्वास्थ्य लाभ जारी रखेंगे

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उनका पिछले कई दिनों से इसी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

उनके चिकित्सक डॉ. प्रतीत समदानी के अनुसार अभिनेता धर्मेन्द्र को बुधवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वे चिकित्सकीय देखरेख में घर पर ही स्वास्थ्य लाभ जारी रखेंगे। डॉक्टर ने पुष्टि की कि उनके परिवार ने मेडिकल टीम के साथ चर्चा के बाद उन्हें होम केयर में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर चल रही अटकलों पर टिप्पणी करते हुए पुष्टि की कि उनकी हालत स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।उन्होंने प्रशंसकों से मिली प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया और उनके स्वास्थ्य लाभ के दौरान परिवार की निजता बनाए रखने का अनुरोध किया। अभिनेत्री हेमा मालिनी ने भी धर्मेंद्र की स्थिति के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचनाओं की आलोचना की और दोहराया कि उनके बारे में मीडिया में कल जो दिखाया जा रहा था वह निराधार है। सनी देओल की टीम द्वारा जारी एक बयान में पुष्टि की गई है कि उनके पिता पर इलाज का सकारात्मक असर हो रहा है और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद के विजयनगर में भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार बाइक ट्रक में घुसी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन नाबालिग लड़कों की जान चली गई। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के शांतिनगर निवासी तीनों लड़के एनएच-नौ पर बाइक पर जा रहे थे, तभी आईपीईएम कॉलेज के पास उनकी बाइक ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि तीनों लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि सड़क हादसे में जान गंवाने वाले तीनों किशोरों की पहचान 16 वर्षीय आर्यन पुत्र राजेंद्र, 15 वर्षीय भावुक तोमर पुत्र परमेंद्र तोमर और 11 वर्षीय मयंक पुत्र कुलदीप के रूप में हुई है। तीनों मृतक क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के शांति नगर के रहने वाले हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची विजयनगर थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। एसीपी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में पता चला है कि तीनों किशोर रात करीब सवा 11 बजे घूमने के लिए बाइक लेकर घर से निकले थे। आईपीईएम कॉलेज के पास बाइक पीछे से ट्रक में घुस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जो ट्रक में पीछे से जा घुसी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। एसीपी का कहना है कि ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है। शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, तीनों किशोरों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गगनयान पर इसरो ने दे दी खुशखबरी, मिशन के लिए कितना अहम है यह एक्सपेरिमेंट

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने मंगलवार को कहा कि उसने गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए मुख्य पैराशूट का एक महत्वपूर्ण परीक्षण सफलतापूर्वक कर लिया है। भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन को गगनयान कहा जाता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि तीन नवंबर, 2025 को पैराशूट परीक्षण का आयोजन किया गया जो गगनयान मिशन में पैराशूट प्रणाली की अहर्ता के लिए एकीकृत मुख्य पैराशूट एयरड्रॉप टेस्ट (आईएमएटी) की चल रही श्रृंखला का हिस्सा है। गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए पैराशूट प्रणाली में चार प्रकार के कुल 10 पैराशूट शामिल हैं। इसरो ने कहा कि इस प्रणाली को अतिरिक्त पैराशूट के साथ डिजाइन किया गया है और तीन मुख्य पैराशूटों में से दो सुरक्षित लैंडिंग के लिए पर्याप्त हैं। गगनयान मिशन के मुख्य पैराशूट चरणबद्ध प्रक्रिया में तैनात होते हैं जिसे रीफ्ड इन्फ्लेशन कहा जाता है। इस प्रक्रिया में, पैराशूट पहले आंशिक रूप से खुलता है, जिसे रीफिंग कहते हैं और फिर एक निश्चित समय के बाद पूरी तरह से खुलता है, जिसे डिसरीफिंग कहते हैं। इस प्रक्रिया में पायरो उपकरण का उपयोग किया जाता है। इस परीक्षण में, दो मुख्य पैराशूटों के बीच डिसरीफिंग की संभावित चरम परिस्थितियों में से एक का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया, जिससे अधिकतम डिजाइन के लिए मुख्य पैराशूटों की वैधता साबित हुई।

पूर्व मंत्री चौधरी बशीर गिरफ्तारी के बाद रिहा, पहले भी पत्नी दो बार भिजवा चुकी जेल

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा से चर्चित पूर्व मंत्री चौधरी बशीर को मंगलवार को मंटोला पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ कोर्ट से रिकवरी वारंट जारी हुए थे। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश किया। 40 हजार की धनराशि जमा करने के बाद कोर्ट ने रिहा कर दिया। आरोपित ने कोर्ट में कहा कि वह शेष धनराशि नियत तिथियों पर जमा करता रहेगा। सदर क्षेत्र निवासी नगमा चौधरी का वर्ष 2013 से चौधरी बशीर से विवाद चल रहा है। वह अपने मायके में रहती हैं। उन्होंने परिवार न्यायालय में भरण पोषण का मुकदमा वर्ष 2023 में दायर किया था। कोर्ट ने चौधरी बशीर का 26 लाख रुपये का रिकवरी वारंट जारी किया था। रिकवरी वारंट पर मंटोला पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई की। चौधरी बशीर को गिरफ्तार कर लिया।

करोड़ों का नशीला कफ सिरप मिला

सालों से पिता-पुत्र चला रहे अवैध दवाओं का कारोबार

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर में नशीली और एक्सपायरी दवाओं की बिक्री की सूचना पर मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने चार टीमों के साथ बिरहाना रोड की दुकान और कोपरगंज के गोदाम में छापेमारी की। अग्रवाल ब्रदर्स नाम से संचालित पिता-पुत्र के इन प्रतिष्ठानों से करोड़ों रुपये के कोडीन युक्त कफ सिरप, ट्रामाडोल टैबलेट्स और एक्सपायरी दवाएं बरामद हुई हैं। उधर, पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए। आयुक्त डॉ. रोशन जैकब टीम के साथ सबसे पहले थोक दवा बाजार बिरहाना रोड की अग्रवाल ब्रदर्स फर्म के विनोद अग्रवाल और उनके बेटे शिवम अग्रवाल की दुकान पर पहुंचीं।

इसके बाद कोपरगंज गोदाम गईं। यहां बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित सिरप, दवाएं बरामद हुईं। यह लोग बिक्री एवं वितरण का कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं करा पाए। टीम ने शिवम अग्रवाल की दूसरी फर्म मेडिसिना, विक्की लालवानी की एसजीपीएस, अनमोल गुप्ता की वेदांश फार्मेसी में भी छापेमारी की। एसजीपीएस फर्म क्रय-विक्रय की जानकारी नहीं दे सकी। रोशन जैकब ने बताया कि अग्रवाल ब्रदर्स, मेडिसिना और एसजीपीएस फर्म पर रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खाद्य आयुक्त के शहर में छापेमारी से हड़कंप मच गया। सालों से अग्रवाल ब्रदर्स नशे का कारोबार कर रहे थे। इसके बावजूद शहर के अफसरों को भनक तक नहीं लगी। इसलिए सर्किट हाउस आने के बाद शहर की टीम को आयुक्त ने जानकारी दी। इससे उनके भी हाथ पांव फूल गए। हिमाचल की लेबोरेट कंपनी से अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे के सिरप को खरीदा था। वह लेबोरेट कंपनी का बड़ा डीलर है। उनके खिलाफ लखनऊ से भी काफी सबूत मिले हैं। इसके लिए आयुक्त को खुद आकर छापेमारी करनी पड़ी। जिसमें बड़े पैमाने पर गोरखधंधे का खुलासा हुआ है। इससे शहर में चल रही कार्रवाई पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। आखिरकार शहर के अफसर क्यों नहीं नशे के सौदागरों को पकड़ पा रहे थे।

अग्रवाल ब्रदर्स का मालिक विनोद अग्रवाल नशे के कारोबार का बड़ा खिलाड़ी है। पहले वह अकेले काम करता था। फिर उसने अपने बेटे शिवम अग्रवाल को भी साझेदार बनाया। इतना ही नहीं बेटे शिवम की मेडिसिना एक अलग फर्म भी बनवा दी। जिसमें उसका दोस्त अनमोल गुप्ता साझेदार भी है। वेदांश फर्म अनमोल गुप्ता की है। तीन फर्मों के जरिए नशे का कारोबार हो रहा था। मौके पर अनमोल ने अफसरों को बताया कि वह सिर्फ एक साल से कारोबार कर रहा है।

अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे का कारोबार बड़े पैमाने पर फैला रखा है। हिमाचल से माल मंगाकर गाजियाबाद, लखनऊ से लेकर कोपरगंज के गोदाम में रखता था। लेबोरेट कंपनी से उसने 90 हजार बोतल नशे में प्रयोग होने वाले कप सिरप को मंगाया। फिर उनको यूपी के अलग-अलग जगहों पर अन्य खेप के साथ बेचा है। इसकी पुष्टि हिमाचल से बिक्री करने वाली कंपनी के जरिए ड्रग विभाग को मिली है। नशीले दवाओं की सप्लाई नेपाल तक की जा रही है। अग्रवाल ब्रदर्स 47 जगह पर नशीली दवाओं को सप्लाई कर चुका है। मौके पर टीम को कई ब्रांड की कोडीन सिरप के साथ ही न्यूट्रास्यूटिकल पौष्टिक -औषधीय समेत कई दवाएं एक्सपायर मिली हैं। खाद्य आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के मुताबिक अब अग्रवाल ब्रदर्स के सभी लाइसेंस निरस्त होंगे। अभी नारकोटिक्स का लाइसेंस निरस्त किया गया है। अब रिपोर्ट के साथ सभी लाइसेंस को निरस्त किया जाएगा। जिससे अग्रवाल ब्रदर्स के पूरे गिरोह का पर्दाफॉश हो सके। फिलहाल पिता-पुत्र फरार हो गए हैं।

फिर सवालों के घेरे में आया चुनाव आयोग, ममता बनर्जी की टीएमसी ने लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बीच तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। टीएमसी ने आयोग पर बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की नियुक्ति के नियमों में 'चुपचाप' बदलाव करने का आरोप लगाया है।

ममता बनर्जी की पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'चुपचाप और चालाकी से चुनाव आयोग ने बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की नियुक्ति से संबंधित नियमों में संशोधन कर दिया है।' टीएमसी ने कहा है कि चुनाव आयोग के 2023 के दिशानिर्देशों के मुताबिक, बीएलए को उस मतदाता सूची के संबंधित इलाके में पंजीकृत मतदाता होना चाहिए जिसके लिए उसे नियुक्त किया गया है।

हालांकि अब इस नियम को बदल दिया गया है। टीएमसी ने कहा, 'लेकिन नए, संशोधित निर्देश में कहा गया है कि मतदाता सूची के उसी भाग से बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) उपलब्ध ना होने की स्थिति में, उसी विधानसभा क्षेत्र के किसी भी पंजीकृत मतदाता से बूथ स्तरीय एजेंट नियुक्त किया जा सकता है।' टीएमसी ने कहा कि इससे गंभीर सवाल उठते हैं। पार्टी ने कहा, 'मौजूदा मानदंडों के मुताबिक, बीएलओ उसी बूथ या कम से कम उसी मतदान केंद्र से संबंधित होने चाहिए। फिर बीएलए के लिए ही अपवाद क्यों बनाया गया? '

पार्टी ने आरोप लगाया कि यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि भाजपा स्थानीय बूथों के भीतर से एजेंट नहीं ढूंढ पा रही है और प्रक्रिया में धांधली करने के लिए बाहरी लोगों को लाना चाहती है। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर सत्तारूढ़ भाजपा का चापलूस होने का आरोप लगाया। सीईसी ज्ञानेश कुमार की ओर इशारा करते हुए पार्टी ने कहा, 'कोई आश्चर्य नहीं कि अमित शाह के सहकारिता मंत्रालय के सचिव को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद दिया गया ताकि भाजपा की राजनीतिक सुविधा के लिए नियमों को फिर से लिखा जा सके। '

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को मिली बड़ी राहत, धोखाधड़ी के मामले में अग्रिम जमानत मंजूर

वाराणसी, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह को वाराणसी की अदालत से बड़ी राहत मिल गई है। अपर जिला जज (प्रथम) देवकांत शुक्ला की कोर्ट ने लाखों रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में पवन सिंह की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली। इसके साथ ही उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लग गई है।

यह मामला तब शुरू हुआ जब वाराणसी के होटल और ट्रेवेल्स कारोबारी विशाल सिंह ने पवन सिंह सहित अन्य लोगों पर ठगी का आरोप लगाते हुए कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया। विशाल सिंह के अनुसार, वर्ष 2017 में मुंबई में पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात प्रेमशंकर राय और उनकी पत्नी सीमा राय से हुई थी। दोनों फिल्म प्रोडक्शन का काम करते थे। प्रेमशंकर दंपति ने विशाल सिंह को फिल्म में निवेश करने का लालच दिया। कहा गया कि कम समय में कई गुना मुनाफा होगा। विश्वास जीतने के लिए 2018 में नदेसर स्थित टूर ऐंड ट्रेवल्स ऑफिस में भोजपुरी स्टार पवन सिंह से

मुलाकात कराई गई। पवन सिंह ने भी फिल्म की सफलता और मुनाफे की गारंटी दी। इसके बाद विशाल सिंह ने लाखों रुपये का निवेश किया। लेकिन न तो फिल्म पूरी हुई, न मुनाफा मिला और न ही पैसा वापस हुआ। शिकायत में विशाल सिंह ने आरोप लगाया कि पवन सिंह, प्रेमशंकर राय और सीमा राय ने मिलीभगत कर उन्हें ठग लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और पवन सिंह की गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। लेकिन मंगलवार को हुई सुनवाई में पवन सिंह के वकीलों ने मजबूत दलीलें पेश कीं।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर 40 प्रतिशत घटी गाड़ियां

महंगे टोल टैक्स बचने को दूसरे रास्ते ढूंढ रहे लोग

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बिजवासन टोल शुरू होने के बाद वाहनों की संख्या में करीब 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। पहले रोजाना इस टोल प्लाजा से 90 से एक लाख वाहन निकल रहे थे, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर 60 से 62 हजार पहुंच गई है। मंगलवार को यह संख्या और कम हो गई। इसका मुख्य कारण टोल टैक्स अधिक होना बताया जा रहा है।

वाहन चालकों का कहना है कि कार से 220 रुपये टोल टैक्स वसूला जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रविवार से बिजवासन टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूलना शुरू किया है।

छुट्टी का दिन होने के कारण भी करीब 80 हजार वाहन इस

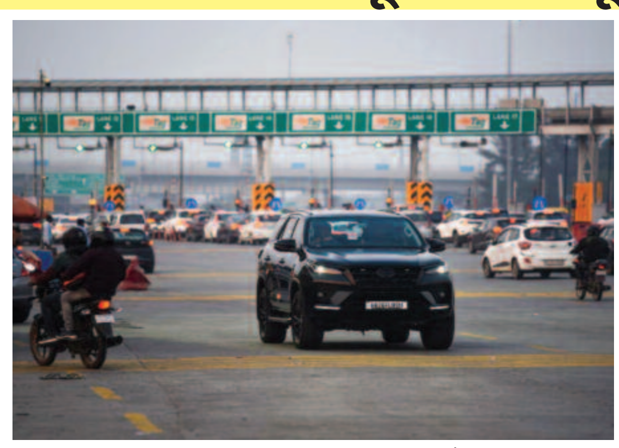

टोल प्लाजा से पहले दिन निकले। दूसरे दिन यानि सोमवार को इस टोल प्लाजा से वाहनों के निकलने की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली। करीब 60 हजार वाहन ही यहां से निकले। मंगलवार को संख्या में और गिरावट दर्ज की गई। बिजवासन टोल से बचने के लिए लोगों ने वैकल्पिक मार्गों को तलाशना शुरू कर दिया है। गुरुग्राम और दिल्ली के बीच चल रही स्कूल बसों ने द्वारका एक्सप्रेसवे की बजाय दोबारा राघोपुर रोड से आवागमन शुरू कर दिया है। इस रोड की हालत खराब होने के कारण बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस रोड पर गहरे-गहरे गड्ढे बने हैं। सारा दिन धूल उड़ती रहती है।

वहीं, कॉमर्शियल गाड़ियों ने खेड़की दौला टोल प्लाजा से द्वारका एक्सप्रेसवे पर मुड़ने के बजाय दिल्ली-जयपुर हाईवे से निकलना शुरू कर दिया है। इस हाईवे पर टोल नहीं है। इस कारण सिरहौल बॉर्डर पर वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। इससे यहां पर जाम की समस्या हो सकती है। बॉर्डर पर परेशानी बढ़ सकती है।

एनएचएआई ने रविवार को ऐलान किया था कि बिजवासन टोल प्लाजा पर तीन दिन तक 20 किलोमीटर के दायरे में रह रहे लोगों से टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। मंगलवार को आखिरी दिन था।

नोएडा सेक्टर-142 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो के लिए मंजूरी का इंतजार बढ़ा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाले मेट्रो के दो मुख्य रूटों की मंजूरी का इंतजार बढ़ता जा रहा है। सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक जाने वाली मेट्रो रूट पर सिर्फ केंद्र सरकार की कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार है।इसके अलावा नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक जाने वाली मेट्रो लाइन के लिए अभी केंद्र में दो-तीन स्तर पर प्रक्रिया होनी बाकी है। इन दोनों रूट पर मेट्रो चलाने की प्रक्रिया करीब 10 साल से चल रही है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। अन्य कोई बेहतर सरकारी सार्वजिनक परिवहन सेवा नहीं होने के कारण मेट्रो की मांग काफी समय से हो रही है।

इस बारे में एनएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक मेट्रो रूट पर सिर्फ कैबिनेट की मुहर लगनी बाकी है, जबकि नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट रूट की अभी पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) होनी बाकी है। इसके बाद कुछ और प्रक्रिया होने के बाद मंजूरी का प्रस्ताव कैबिनेट के पास पहुंचेगा। इस बारे में एनएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार के स्तर पर प्रक्रिया चल रही है। उम्मीद है कि जल्द दोनों रूट को मंजूरी मिल जाएगी। इस समय जिले में सबसे ज्यादा नोएडा के सेक्टर-51

से ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क-पांच तक मेट्रो की जरूरत है। इस रूट पर 11 मेट्रो स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इस रूट पर मेट्रो चलाने में 2991 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत का अनुमान है। महत्वपूर्ण यह है कि इस रूट की वर्ष 2019 में यूपी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद केंद्र स्तर से पीआईबी भी हो गई थी लेकिन सेक्टर-71 अंडरपास के पास पहले से चल रही एक्वा लाइन के सेक्टर-51 से इस लाइन को जोड़ने की प्रक्रिया पर केंद्र सरकार की टीम ने आपत्ति लगा दी। इसके बाद रूट बदला गया।

ग्रेटर नोएडा के इन 13 सेक्टरों में बाजार और दुकानें खुलेंगी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा शहर के नॉलेज पार्क-5, इकोटेक-1 एक्सटेंशन और सेक्टर-36 और 37 समेत 13 सेक्टरों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। यहां बाजार और दुकानें खुलेंगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने व्यावसायिक श्रेणी के कुल 37 भूखंडों की योजना शुरू की है। योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया 13 नवंबर से शुरू हो जाएगी और आखिरी तारीख 5 दिसंबर है। इससे बड़ा निवेश आने की संभावना है।

प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, योजना में शामिल 1500, 1600 और 10,000 से लेकर 23,023 वर्गमीटर तक के कुल 37 भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। आवंटन प्रक्रिया संपन्न होने के एक माह के भीतर कब्जा दे दिया जाएगा। इस योजना में उन सेक्टरों को शामिल किया गया है, जहां व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। बहुमंजिला इमारत बनने से सेक्टर के लोगों को रोजमर्रा की जरूरत के सामान खरीदने के लिए सेक्टर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

आवासीय, संस्थागत और औद्योगिक सेक्टरों में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सभी सेक्टरों में योजना शुरू किए जाने की कार्ययोजना बनाई गई है। शुरू की गई योजना में पंजीकरण करने की आखिरी तारीख 5 दिसंबर है। आरक्षित मूल्य की 10 फीसदी प्रोसेसिंग फीस और कागजात जमा करने की आखिरी तारीख 9 दिसंबर है। प्राधिकरण अधिकारी के मुताबिक, आवेदन से लेकर आवंटन तक की सभी प्रक्रिया ऑनलाइन ही पूरी की जाएगी। एसीईओ प्रेरणा सिंह का कहना है कि निवेशकों की मांग और सेक्टरों में रहने वाले लोगों की जरूरत को देखते हुए यह योजना शुरू की गई है। सभी सेक्टरों में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित जमीन को योजनाओं में शामिल किया जा रहा है। बता दें कि पूर्व में भी इस श्रेणी के भूखंडों की योजना शुरू की गई थी। प्राधिकरण के नए सेक्टरों में शामिल म्यू, ज्यू, ओमिक्रोन आदि में बड़ी दुकानों की कमी है। ऐसे में लोगों को खरीदारी करने के लिए दूर जाना पड़ता है। योजना में शामिल भूखंड सेक्टर ईटा-1, सेक्टर गामा -2, नॉलेज पार्क-5, सेक्टर बीटा-2, सेक्टर-36, 37, सेक्टर जीटा-1, सेक्टर-3, 10,12, इकोटेक-1 एक्सटेंशन, इकोटेक-12 और सेक्टर डेल्टा-2 में हैं। इनके लिए जगह चिह्नित कर ली गई है।

पूरी तरह चालू हुआ न्योमा एयरबेस, चीन सीमा के पास गरजेंगे भारत के फाइटर जेट

लेह, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक महत्व वाले न्योमा एयरबेस को भारतीय वायुसेना ने पूरी तरह चालू कर दिया है। 13700 फुट की ऊंचाई पर स्थित यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर एयरबेस अब फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर्स और ट्रांसपोर्ट विमानों के संचालन के लिए पूरी तरह सक्षम हो गया है। चीन सीमा से महज 30 किलोमीटर दूर स्थित इस एयरबेस के चालू होने से भारत की सीमा सुरक्षा में एक नया मजबूत किला तैयार हो गया है, जो लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर त्वरित प्रतिक्रिया और निगरानी को सक्षम बनाएगा। यह वही एयरबेस है जो पहले केवल एक कच्चे रनवे वाला लैंडिंग ग्राउंड था। पिछले वर्ष सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने यहां पक्का रनवे तैयार किया था और इस साल अक्टूबर तक सभी आवश्यक सहायक ढांचागत कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा गया था। अब वायुसेना इस बेस से विमान उड़ाने, लैंड कराने और सीमित रखरखाव कार्य करने में सक्षम है। सूत्रों के अनुसार न्योमा अब विमानों के संचालन और उनके 'सस्टेन्ड' रहने की क्षमता रखता है। सैन्य शब्दावली में 'सस्टेन्ड' का अर्थ है- ऐसे बेस की क्षमता, जहां विमान की मरम्मत, ईंधन भराई, रडार संचालन, मौसम की निगरानी और चालक दल के रहने की व्यवस्था मौजूद हो।

न्योमा एयरबेस लद्दाख की सिंधु नदी के किनारे समुद्र तल से 13700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और यह लेह से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, ऐसे में रखरखाव सुविधाओं को अत्यधिक ठंडे वातावरण में काम करने के

अनुरूप तैयार किया गया है। यब बेस लंबे समय से भारतीय वायुसेना की रणनीतिक योजनाओं का हिस्सा रहा है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद निष्क्रिय पड़े इस एयरस्ट्रिप को 2009 में फिर से सक्रिय किया गया था। तब से यहां सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस, एएन-32 ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकॉप्टर्स जैसे एमआई-17, सीएच-47 एफ चिनूक तथा एएच-64ई अपाचे का सफल संचालन हो चुका है, खासकर 2020 के गलवान संघर्ष के दौरान।

2020 के तनाव के बाद सरकार ने 2021 में इसकी अपग्रेडेशन के लिए 220 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट हिमांक ने कठिन हिमालयी परिस्थितियों में यह काम पूरा किया। माइनस 20-40 डिग्री सेल्सियस की ठंड, कड़ाके की हवा और सीमित कामकाजी मौसम के बावजूद, 2.7 किलोमीटर लंबी कंक्रीट रनवे का निर्माण अक्टूबर 2024 तक 95 प्रतिशत पूरा हो गया था। नवंबर 2025 तक सभी सहायक सुविधाएं जैसे हैंगर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) भवन, क्रैश बे, वॉच टावर्स और आवासीय व्यवस्था पूरी हो गईं। जुलाई 2025 में यह अनुमान लगाया गया था कि एयरबेस अक्टूबर तक चालू हो जाएगा, लेकिन वायुसेना ने इसे समय से पहले पूरी क्षमता के साथ सक्रिय कर दिया। यह लद्दाख में भारतीय वायुसेना का चौथा सक्रिय बेस बन गया है। फिलहाल लेह में एक प्रमुख एयरबेस पहले से संचालित है, जबकि कारगिल और थॉइस (जो सियाचिन बेस के रूप में जाना जाता है) में पूर्ण विकसित एयरस्ट्रिप्स मौजूद हैं। इसके अलावा, दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) में एक कच्चा रनवे है, जहां विशेष अभियानों के लिए वायुसेना के विमान उतरते हैं।

न्योमा अब एक पूर्ण फॉरवर्ड स्टेजिंग ग्राउंड के रूप में कार्य करेगा। यहां से राफेल और सुखोई-30एमकेआई जैसे फाइटर जेट्स रोटेशनल आधार पर तैनात किए जाएंगे। ऊंचाई के कारण जेट इंजनों को कम तापमान में स्टार्ट करने के लिए संशोधित किया गया है।

कार से लैपटॉप चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में चोरों ने एक कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। ज्ञान खंड एक में रहने वाले पुनीत शर्मा के अनुसार वह ऑफिस से लौटने के दौरान मंगलवार की रात लगभग नौ बजे मंगल बाजार में रुके थे। उन्होंने सड़क किनारे अपनी कार खड़ी की और सब्जियां लेने चले गए। जब वह वापस लौटे तो कार के दरवाजे का शीशा टूटा था और अंदर से लैपटॉप गायब था। पुनीत शर्मा के अनुसार लैपटॉप कंपनी की ओर से मिला था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रात में ही मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अधेड़ महिला में डेंगू की पुष्टि

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जनपद में बुधवार को अधेड़ महिला में डेंगू की पुष्टि हुई है। महिला मोदीनगर की रहने वाली हैं। फिलहाल अस्पताल में दो मरीजों का इलाज चल रहा है। डेंगू मरीजों का आंकड़ा 308 पर पहुंच गया है। जिला सर्विलांस अधिकारी डा. आरके गुप्ता का कहना है कि सक्रिय मरीजों के घरों के आसपास दवा का छिड़काव कराया जा रहा है।

वशिष्ठ पत्रकार सुनील पाल बने प्रेस क्लब मंडावर अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. मंडावर ✷। मंडावर- चंदक प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सुनील पाल मनोहारिया को सर्वसम्मति से चुना गया। यह चुनाव मंगलवार को डॉ. अशोक के क्लीनिक पर आयोजित पत्रकारों की विशेष बैठक में संपन्न हुआ।बैठक की अध्यक्षता योगेश कुमार उर्फ बंटी ने की, जबकि संचालन सर्वेंद्र चौधरी ने संभाला। बैठक में उपस्थित सभी पत्रकारों ने एक स्वर से सुनील पाल मनोहारिया को क्लब का नया अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से योगेश उर्फ बंटी, आबिद अंसारी, रविन्द्र राजपूत, मिर्जा अफजल बेग, सचिन चौधरी, जगमोहन शर्मा, कामेंद्र शर्मा, अवनीश, विशाल पाल, राहुल, पंकज शर्मा, अनित देशवाल, महताब राना, रणवीर सिंह सहित अन्य पत्रकारगण उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील पाल मनोहारिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और क्लब को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। यह चुनाव क्षेत्रीय पत्रकारिता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सहकारी समिति में आग लगने से अधिकारियों और ग्रामीणों में मचा हड़कम

✷ एनसीआर टुडे. मंडावर ✷। मंडावर क्षेत के गांव शेखपुरा जहांगीरपुर बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते धुआं पूरे कार्यालय में फैल गया। स्थानीय लोगों ने जब कार्यालय से धुआं उठता देखा तो शोर मचाकर आसपास के लोगों को इकट्ठा किया। दरवाज़ा खोलकर अंदर देखा गया तो अधिकांश महत्वपूर्ण दश्तावेज़, रजिस्टर और प्रिंटर जलकर खाक हो चुके थे। समिति के प्रबंध निदेशक (एम.डी.) ने बताया कि खिड़की की जाली कटी हुई मिली है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगाई हो। फिलहाल अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ तहरीर दी गई है। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना हजारों का सामान चुराया

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। धामपुर। सर्दियों का मौसम शुरू होते ही नगर क्षेत्र में चोरियों की वारदात बढ़ने लगी है। नूरपुर रोड स्थित हाईडिल कालोनी में बेखौफ चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया कर कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। धामपुर की हाईडिकल कालोनी निवासी हेमराज सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह ने बताया कि वह सोमवार नवंबर को अपने परिवार के साथ एक रिश्तेदारी में शहर से बाहर घर में ताला लगाकर चले गए। जब सुबह घर पहुंचे तो ताला टूटा मिला और कमरों में सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने बताया कि चोर घर में लगी दो एलईडी, दो सिलेंडर व अन्य सामान चोरी कर ले गए। उन्होंने लगभग दो लाख रुपए की चोरी होना बताया है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर चोरों का पता लगा कर कार्रवाई की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में गायब महिला देहरादून से बरामद

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷। कल सुबह लगभग 6:00 बजे निकटवर्ती गांव शाहपुर सुक्खा की रहने वाली 35 वर्षीय रमा जोशी गांव के बाहर कूड़ा डालने गई थी। जो अचानक गायब हो गई थी। काफी देर तक घर न पहुंचने पर उसके पति द्वारा उसकी काफी ढूंढने का प्रयास किया गया परंतु वह नहीं मिली जिस पर गांव वालों और परिवार वालों द्वारा कल थाने में आकर गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसको पुलिस ने संज्ञान में लेते हुए महिला को अपने प्रयासों द्वारा लोकेशन के आधार पर देहरादून से ढूंढ निकाला। महिला द्वारा बताया गया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह अपनी मर्जी से देहरादून अपने मामा के यहां चली गई थी। पुलिस द्वारा महिला को बरामद कर उसके परिवार वालों के सुपुर्द कर दिया गया।

लेखपाल संघ के चुनाव में सत्यवीर सिंह भारी मतो से जीत दर्ज की

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, बिजनौर इकाई की नगीना शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन बुधवार को सर्वसम्मति से चुनाव के माध्यम से हुआ। यह चुनाव प्रक्रिया निम्न पदाधिकारी की निगरानी में संपन्न हुआ । जिला मंत्री अमित मिश्रा तहसील अध्यक्ष गौरव कुमार नजीबाबाद तहसील अध्यक्ष धामपुर परवीन नगरजिला संयोजकअशोक कुमार उप जिला मंत्री राजवीर सिंह की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हुई। नई कार्यकारिणी में सत्यवीर सिंह को अध्यक्ष चुना गया है, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिकुल शर्मा सचिव जयपाल सिंह उपसचिव तुषार चौहान कोषाध्यक्ष हिमांशु कुमार ऑडिटर ऋतिक कुमार जिम्मेदारी दी गई है। कुल वोट 90 थे जबकि वोट 88 पड़े ।सत्यवीर सिंह को वोट 66 तथा विपक्ष गौरव भटनागर को 22 वोट मिले। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई दी।

6 करोड़ की चोरी का खुलासा महिलाओं समेत 7 पकड़े

मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

पुलिस ने नजीबाबाद के चौक बाजार में 27 सितंबर को हुई करोड़ों की चोरी का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में महिलाओं समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं।बताते चलें कि

नजीबाबाद के चौक बाजार स्थित ज्वेलर्स योगेश कुमार पुत्र स्वर्गीय शांति प्रकाश प्रसाद की दुकान से जुड़ा है मामला। 27 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर करोड़ों के जेवरात और नकदी चुरा ली थी।

घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। व्यापारी संघ ने तब पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और धरना देने की चेतावनी भी दी थी।

मुठभेड़ में शोएब गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बुधवार सुबह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में शामिल कुछ आरोपी बिजनौर-पूरनपुर रोड के पास एक खाली प्लॉट में छिपे हुए हैं। वे चोरी के माल का हिस्सा लेकर देहरादून भागने की फिराक में थे। इस पर स्वाट और सर्विलांस टीम ने छापेमारी की।

छापे के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई,। जिसमें आरोपी शोएब (19) पुत्र जफर खान के पैर में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शोएब के कब्जे से 1 किलो सोने की ईंट, 3 सोने के टुकड़े, एक पासपोर्ट, 800 रुपए नकद, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए।

पूरा गैंग रिश्तेदारों का निकला जाल

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं। पकड़े गए लोगों में शोएब पुत्र जफर खान, राबिया पत्नी जफर अली, जफर अली पुत्र हसमत अली, सहाना पत्नी मोहम्मद सलीम (निवासी देहरादून), रावेद पुत्र शौकत अली (निवासी नजीबाबाद), आसिया पत्नी फुरकान (निवासी काजीपाड़ा, कोतवाली शहर) और खुर्शीदा पुत्री जफर खान (निवासी नजीबाबाद) शामिल हैं। इनका आठवां साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

मौसी ने बताई थी दुकान की जानकारी, वहीं से बनी साजिश

पुलिस पूछताछ में शोएब ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले उसकी मौसी राबिया और जफर अली नजीबाबाद के चौक बाजार में व्यापारी योगेश लाला की दुकान पर बर्तन खरीदने और गहने गिरवी रखने जाया करती थीं। उन्होंने ही अन्य लोगों को बताया था कि दुकान में बड़ी मात्रा में सोना-चांदी रखा है।

यहीं से चोरी की साजिश रची गई। इसके बाद सभी ने मिलकर छत के राश्ते दुकान में घुसकर ताला तोड़ा और सोने-चांदी के जेवरात, नकदी लेकर फरार हो गए। चोरी के बाद उन्होंने आपस में माल बांट लिया और कुछ लोगों ने हिस्से का माल बेचने की भी कोशिश की।

पुलिस टीम को 75 हजार रुपये का इनाम

एसपी अभिषेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नजीबाबाद की ऐतिहासिक चोरी का आज खुलासा कर दिया गया है। पुलिस ने महिलाओं समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और करीब 6 करोड़ रुपये के जेवरात बरामद किए हैं।

उन्होंने बताया- टीम की मेहनत से यह बड़ा खुलासा हुआ है। एक आरोपी मुठभेड़ में घायल हुआ है। सभी आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। एसपी ने खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की, जबकि डीजीपी ने 50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है।

बाजार में फिर लौटी राहत की सांस

चोरी के बाद से चौक बाजार के व्यापारी डरे और नाराज थे। पुलिस की सफलता के बाद अब उन्होंने राहत की सांस ली है।

स्थानीय सर्राफा व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने कहा- पुलिस ने जिस तेजी से कार्रवाई की है, उसके लिए पूरा बाजार आभारी है। इस खुलासे से व्यापारियों का भरोसा लौटा है। वहीं ग्रामीणों ने मांग की है कि सभी आरोपियों को सख्त सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई इस तरह की वारदात करने की हिम्मत न कर सके।

नीलामी में खरीदे मकान पर पूर्व मालिक ने कब्जा किया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मसूरी थानाक्षेत्र के नाहल गांव में बैंक से नीलामी में खरीदे मकान पर पूर्व मालिक ने कब्जा कर लिया। खरीदार मकान पर पहुंचा तो उसमें पूर्व मालिक का परिवार रह रहा था।

विरोध करने पर आरोपियों ने हत्या की धमकी दी। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अर्थला मोहननगर की संजय कॉलोनी में रहने वाले इंतखाब परवेज का कहना है कि उन्होंने 24 जून 2024 को बैंक ऑफ बड़ौदा की पूर्वी दिल्ली स्थित क्षेत्रीय रिकवरी ब्रांच से नाहल गांव में स्थित मकान नीलामी में 28.80 लाख रुपये में खरीदा था।

बैंक ने नीलामी कोड के तहत बैनामा कर मकान की सुपुर्दगी उन्हें दे दी थी, जिसके बाद उन्होंने मकान में ताला भी लगा दिया था। इंतखाब परवेज के मुताबिक 29 सितंबर 2024 को जब वह मकान देखने गए तो पाया कि मकान के भीतर लोग रह रहे हैं।

मकान का पूर्व मकान मालिक इकरामुद्दीन और उसका पुत्र इखलाक मिला। दोनों ने कहा कि मकान उनका है और भविष्य में यहां आने की कोशिश की तो जान से हाथ दो बैठोगे।

आरोप है कि वह शिकायत लेकर नाहल पुलिस चौकी पहुंचे तो चौकी प्रभारी ने शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया और कहा कि पुलिस आयुक्त के आदेश से ही कार्रवाई होगी।

इसके बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। सीओ मसूरी लिपि नगायच का कहना है कि 11 नवंबर को इकरामुद्दीन और उसके बेटे इखलाक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

कार शोरूम पर धरना देने वाले किसानों को हिरासत में लिया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भाकियू के जिला उपाध्यक्ष द्वारा खरीदी गई नई गाड़ी में तकनीकी खराबी आने के बाद भाकियू कार्यकर्ता गाड़ी बदलने की मांग को लेकर तीन दिन से मेरठ रोड स्थित गाड़ी के शोरूम पर धरनारत हैं।

बुधवार को किसानों का आंदोलन तेज होने पर सिहानी गेट पुलिस ने भाकियू जिलाध्यक्ष और उपाध्यक्ष समेत छह से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। शाहपुर बम्हैटा निवासी महेश यादव भाकियू के जिला उपाध्यक्ष हैं। महेश यादव ने बताया कि 18 अक्तूबर को उन्होंने गाड़ी खरीदी थी। एक नवंबर को वह गाड़ी लेकर नोएडा गए तो उसके इंजन से मोबिल ऑयल लीक होने की जानकारी लगी।

उन्होंने शोरूम पर शिकायत की। मैकेनिक उनकी गाड़ी को ठीक करने के लिए शोरूम पर ले गए, लेकिन वह ठीक नहीं हो सकी। बताया गया कि गाड़ी का इंजन और गियर बॉक्स खोलकर ठीक करना होगा।

उन्होंने विरोध जताते हुए दूसरी नई गाड़ी देने को कहा तो शोरूम प्रबंधन ने इनकार कर दिया। इसके बाद महेश यादव भाकियू जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में शोरूम पर कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए।

किसानों को धरने पर बैठा देख शोरूम प्रबंधन ने एसएचओ सिहानी गेट सचिन कुमार की मौजूदगी में दो दिन में समस्या का समाधान करने का लिखित भरोसा दिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इससे गुस्साए किसानों ने टेंट लगाकर मांग को लेकर दिन-रात धरने पर बैठ गए। एडिशनल सीपी कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी का कहना है कि शोरूम पर एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल के साथ-साथ पीएसी भी तैनात कर दी है।

दोनों पक्षों से बातचीत के आधार पर समस्या का समाधान कराने के प्रयास किया जा रहा है। हंगामा बढ़ने पर पुलिस पहुंची शोरूम प्रबंधन ने किसी भी मांग को मानने से इनकार कर दिया तो किसानों ने बुधवार को शोरूम पर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस भाकियू जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, महेश यादव, मुश्तफा चौधरी, सुभाष चौधरी, हामिद चौधरी, शाहिद चौधरी, सचिन सोहरान और जगपाल चौधरी को हिरासत में लेकर थाने ले आई। जबकि अन्य किसानों का शोरूम पर धरना जारी है। किसानों का कहना है कि वह अपनी मांग के लिए जेल जाने को तैयार हैं। उन्होंने भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत से भी इस संबंध में संपर्क साधा है। राकेश टिकैत ने भी उन्हें समर्थन देने और किसानों को जेल जाने के लिए तैयार रहने की बात कही है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मोबाइल से मिला सुसाइड नोट

पांच नवंबर को होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला था सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव- परिजनों ने एक युवक और युवती पर लगाया आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में होटल के कमरे में फंदे से लटके मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मामले में परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिजनों एक युवक और युवती पर आत्महत्या के उकसाने और होटल कर्मियों पर उनका साथ देने का आरोप लगाया है।

वहीं, पुलिस को सॉफ्टवेयर इंजीनियर के मोबाइल से सुसाइड नोट मिला है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर रजत प्रताप सिंह के पिता संजीव प्रताप सिंह की ओर से एक युवक और युवती को नामजद करते हुए थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

दर्ज मुकदमे में संजीव प्रताप सिंह ने कहा है कि वह पांच नवंबर की रात में लगभग साढ़े नौ बजे बेटे की तलाश करते हुए होटल पहुंचे थे। वहां पता चला कि रजत दो नवंबर से होटल के कमरे में ठहरा था।

उन्होंने एक युवक और युवती पर उनके बेटे को प्रताड़ित करके आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाते हुए होटल कर्मचारियों पर उनका साथ देने का आरोप लगाया है।

उधर, पुलिस को रजत के मोबाइल से रकम स्थानांतरण के साक्ष्य मिले हैं।

रजत ने अपने पिता को भी रकम भेजी थी, जिसका स्क्रीनशॉट उसने सेव करके रखा था। इसके अलावा रजत ने कई कंपनियों से लोन भी ले रखे थे, जिनका वह भुगतान कर रहा था। पुलिस ने बैंक से रजत के खाते की डिटेल भी मंगवाई है।

इसके अलावा रजत के मोबाइल से खुद को भेजा गया एक मैसेज मिला है, जिसमें रजत ने ऐसा कदम उठाने के लिए माता-पिता से मांफी मांगी है।

रजत ने अपनी मौत के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि हुई थी।

उसके मोबाइल से एक मैसेज भी मिला है, जिसमें रजत ने अपनी मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। परिजनों के लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

नौ साल की बच्ची को फ्लैट में बंद करके इलैक्ट्रीशियन ने की अश्लील हरकत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में एक नौ वर्षीय बच्ची को घर में बंद करके इलैक्ट्रीशियन द्वारा अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है। बच्ची ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। बच्ची की मां की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला के अनुसार वह अपनी दो बेटियों के साथ रहती हैं। बड़ी बेटी 19 वर्ष की और छोटी बेटी नौ वर्ष की है। उनके पति अलग रहते हैं। 11 नवंबर को वह जॉब पर चली गई थीं और बड़ी बेटी को किसी काम से स्कूल जाना पड़ा था।

घर पर उनकी नौ वर्षीय बेटी अकेली थी। उनसे पड़ोस वाले फ्लैट में मरम्मत का काम चल रहा है। दोपहर में वहां काम करने वाले इलैक्ट्रीशियन मुन्नालाल ने उनके फ्लैट का दरवाजा खटखटाया और बेटी से पानी मांगा। बेटी फ्लैट का दरवाजा खोलकर पानी लेने चली गई और मुन्नालाल फ्लैट में घुस आया। जब बेटी पानी लेकर वापस आई तो उसने फ्लैट का दरवाजा बंद करके उसके साथ अश्लील हरकत की और जबरदश्ती करने का प्रयास किया।

उनकी बेटी किसी तरह से मुन्नालाल के चंगुल से छूटकर भाग निकली और पास में रहने वाले एक अंकल को घटना की जानकारी दी। इस दौरान मुन्नालाल मौके से भाग निकला। सूचना मिलने पर वह भी घर पर पहुंच गई।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नजीबाबाद में पति से नाराज पत्नी ने मैकेनिक की दुकान पर खड़ी कार के शीशे तोडे,

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नजीबाबाद में पति से नाराज पत्नी ने मैकेनिक की दुकान पर खड़ी कार में की तोड़फोड़ ।यह घटना दिनांक 10-11-2025की शाम के 4बजे की है।

बाईपास मालन नदी हरिद्वार रोड शमशानघर के पास की है मैकेनिक की दुकान पर 3 दिन पहले गाड़ी सही होने आई थी। दुकान के मालिक का नाम फुरकान पुत्र अमीर हसन ग्राम किशोरपुर उर्फ रम्मनवाला का है। जब मैकेनिक फुरकान ने पता किया तो उसने बताया कि यह मेरे पति की कार है और कार सुधरवाने के लिए तो पैसे हैं। मेरे खर्चे के लिए पैसे नहीं है खड़ी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए ।पत्नी ने मैकेनिक ने तहरीर देते हुए बताया 40000 हजार रुपए का नुकसान है।

मैकेनिक ने महिला तोड़फोड़ की जाने की वीडियो भी बनाई है। कार मालिक ग्राम शाहपुर का है कार मालिक का नाम धर्मेंद्र और जिस महिला ने कार में तोड़फोड़ की वह उसका नाम हिमानी है। वह कार मालिक की पत्नी बता रही है। यह सारी घटना थाना नजीबाबाद के हरिद्वार रोड शमशान घर के पास की है जो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ देखी जा सकती है।

मासूम बच्ची से दुष्कर्म के मामले मे आखिर दरिंदे शिक्षक ने बुर्का पहन किया कोर्ट में समर्पण, मूकदर्शक बनी रही हलदौर पुलिस

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

हल्दौर थाना क्षेत्र के कस्बा झालू के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी एक कामुक दरिंदे शिक्षक ने अपनी मासूम शिष्या को समोसा खिलाने के बहाने कार में बैठाकर उसकी असमत को तार-तार कर डाला था।

इस मामले में पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी शिक्षक की तलाश शुरू कर दी थी। बताया जाता है कि इस मामले में हल्दौर पुलिस की शिथिलता के चलते आखिर कामुक दरिंदे शिक्षक ने आज बुर्का पहन कर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।

जबकि हल्दौर पुलिस मूकदर्शक बनी देखती रही। नगर व क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि यदि पुलिस ईमानदारी के साथ कार्य करती तो कामुक दरिंदे शिक्षक न्यायालय में समर्पण नहीं कर सकता था।

पुलिस की शिथिलता एवं आरोपियों से संलिपतता को लेकर तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गरम है ।सूत्रों ने बताया की दरिंदा शिक्षक लेडिस सैंडल एवं बुर्का पहनकर मजिस्ट्रेट के सामने कोर्ट में पहुंचा।

कोर्ट में पहुंचते ही उसने अपना बुरका उतार रूप परिवर्तित कर लिया। बताया जाता है कि न्यायालय ने उसे पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया। नगर के पुष्ट सूत्रों का कहना है पुलिस की शिथिलता के चलते आत्मसमर्पण करने वाले दरिंदे शिक्षक का परिवार इस मामले में फैसले के लिए छटपटा रहा है। जबकि पुलिस द्वारा पीड़ित परिवार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर दर्ज किए गए मुकदमे में अब क्या कार्यवाही करती है? यह तो आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल तो पुलिस कार्य प्रणाली पर उंगलियां उठ रही है,और हर कोई दरिंदे गुरू को घिनोनी हरकत पर मिलने वाली कठोर सजा को ऊट के मुँह में जीरा से भी कम मानकर पुलिस को ही कटघरे में खड़ा कर रहा है। कामुक दरिंदे को सजा नहीं मिलने से इस दुष्ट मानसिकता वाले अन्यो के भी होंसले बढने से कोई नहीं रोक सकता। जो नगर तथा इलाके के नाम और सम्मान के साथ-साथ शान्ति के लिए भी बडा खतरा बन सकता है। देखना है कि हलदौर पुलिस मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ जी के द्वारा बेटी की सुरक्षा को लेकर दिए गए निर्देशों पर कितने प्रतिशत खरी उतरेगी? इसकी संभावना तो अलादीन के चिराग के समान ही प्रतीत होती है। आखिर वहीं हुआ जिसका डर था।

27 लाख की ठगी और दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. बिजनौर। 01 अक्टूबर को वादिया नामक पीड़िता ने थाना हलदौर में तहरीर दी थी कि शाहनवाज पुत्र महबूब निवासी ग्राम सहसपुर थाना स्योहारा सहित उसके साथियों-सरताज, हनीफ, नफीस और भुरा (पुत्र गण नामालूम) - ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर नशीला पेय पिलाया और उसके साथ गलत काम किया। आरोप है कि अभियुक्तों ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर उससे 27 लाख रुपए ब्लैकमेलिंग के जरिए हड़प लिए। इस मामले में थाना हलदौर पुलिस ने मुकदमा संख्या 228/2025, धारा 376डी, 328, 506, 386 के तहत दर्ज किया था। विवेचना के दौरान चार अभियुक्तों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट पाई गई। 12 नवम्बर 2025 को हटलदौर पुलिस ने मामले के वांछित अभियुक्त शाहनवाज पुत्र महबूब निवासी ग्राम सहसपुर (थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर) को दिल्ली के कृष्णा नगर, खुर्जू खास थाना जगतपुरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

पुल ना होने के कारण जान जोखिम में डालकर किसान ट्रैक्टर ट्रॉली से गन्ना भरने को मजबूर

✷ एनसीआर टुडे. मंडावर ✷

गंगा पार करते समय ट्रैक्टर अंतनिरंतरित होकर गंगा में गिरा। ट्रैक्टर से किसान ने कूद कर बचाई अपनी जान हो सकता था बड़ा हादसा। हर वर्ष कोई ना कोई हादसा होता है किसानों के साथ गंगा को पार करने पर। मंडावर क्षेत्र मीरापुर गांव के समीप गंगा पार करने के दौरान एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गंगा में जा गिरा।

यह हादसा मीरापुर खादरू के सामने स्थित जोड़े (अस्थायी पुल) पर हुआ। जहां से किसान अपने वाहनों से गंगा पार करते हैं। गनीमत रही कि चालक समय रहते कूदकर सुरक्षित बच निकला, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम शिमला कलां के एक किसान अपने ट्रैक्टर से खेत से गन्ना लेने के लिए मीरापुर खादर के सामने गंगा घाट पर जा रहे थे। गंगा घाट पर बने जोड़े से गंगा पार करने के बाद ट्रैक्टर को उतारते समय वह फिसलकर गंगा में गिर गया। स्थानीय लोगों को सूचना दी, लेकिन ट्रैक्टर को निकालने में काफी मशक्कत हुई। गंगा किनारे बसे गांवों के किसान हर साल गंगा पार करने के लिए जोड़े या नाव का सहारा लेने को मजबूर हैं। स्थानीय किसान ने बताया, 'हर वर्ष ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं होता।

नहर पर मिले घायल युवक को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नहर के किनारे सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवक को पुलिस ने आनन फानन में उपचार हेतु भिजवाया अस्पताल। घायल युवक के परिजनों को पुलिस ने दी सूचना स्थानीय राहगीरों ने पुलिस के मानवीय चेहरे की प्रशंसा की।

मंगलवार की शाम करीब सात बजे झालू से बरुकी नहर पर गांव करौंदी के पुल से पहले एक युवक नहर पर सड़क के किनारे बाइक के पास गंभीर घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। जिसके सिर व मुंह से खून बह रहा था, उसी समय एक क्षेत्रीय युवक नहर के राश्ते से होकर गॉव खारी की तरफ जा रहा था।

जैसे ही उसने खून से लतपत घायल अवस्था में युवक को सड़क के किनारे पड़ा देखा उसने तुरंत ही इसकी सूचना झालू चौकी पुलिस को दी।

चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने आनन-फानन में ही हेड कॉन्स्टेबल अमित कुमार, हेड कांस्टेबल अकरम, कांस्टेबल राजीव तोमर उर्फ फौजी कांस्टेबल, कॉन्स्टेबल अंकुर तोमर तुरंत ही मौके पर पहुंचे और दुर्घटना में घायल हुए युवक को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाने के साथ साथ उसके परिजनों को

उसके घायल होने की सूचना दी। जांच में पाया गया कि नहर के किनारे बाइक अनयंत्रित होकर गिर जाने का कारण युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया था। नहर पर घायल अवस्था में पड़े युवक की पहचान राहुल पुत्र मुन्नु सिंह उर्म लगभग 30 वर्ष निवासी गांव नेकपुर थाना नगीना देहात के रूप में हुई। वहीं दूसरी ओर नहर के किनारे सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने झालू चौकी पुलिस के इस मानवीय चेहरे की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

यूपी बोर्ड केंद्र बनाने के लिए 110 स्कूलों अब तक नहीं दिया सुविधाओं का ब्योरा

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। जिले में परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर तैयारी शुरू हो गई हैं। विभाग जल्द से जल्द सभी तैयारियां पूरी करने का प्रयास कर रहा है तो वहीं, कई स्कूल इसमें लापरवाही दिखा रहे हैं। जिले के 110 माध्यमिक स्कूलों ने अपनी सुविधाओं का ब्योरा अब तक भी अपलोड नहीं किया है। जिले में यूपी बोर्ड से संबद्ध 252 स्कूल हैं। बोर्ड के निर्देशानुसार सभी स्कूलों को 10 नवंबर तक अपने यहां उपलब्ध सभी सुविधाओं का ब्योरा ऑनलाइन देना था। इसमें स्कूलों को सीसीटीवी, राउटर, कक्ष संख्या, स्टाफ रूम, फर्नीचर, पानी एवं शौचालय संबंधी सभी सुविधाओं की जानकारी देनी थी।

संपादकीय

चढ़ रहा है चुनावी सर्वे का बाजार, चुनावी नतीजों के लिए एक्जिट पोल पर फोकस

वोटरों का मिजाज भांपने के लिए 1980 के दशक के अंत में भारत मे पहली बार ओपिनियन पोल किया गया था। तब से अब तक चुनाव खत्म होते ही नेता, बुद्धिजीवी और जनता जनार्दन को एक ही दिलचस्पी रहती है कि आखिर जीत किसकी?कौन बनाएगा सरकार और किस दल का बनेगा मुख्यमंत्री?11 नवम्बर को बिहार के चुनाव पूर्ण हो गए है। 14 नवम्बर को नतीजे आएंगे। लेकिन आज ही लोगो के मन मे कुतूहल पैदा हो गया है कि बिहार में सरकार किसकी बनेगी?नीतीश या महागठबंधन की। चुनावी सर्वेक्षण और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जन्म एकसाथ हुआ है। चुनावी सर्वे की लोकप्रियता उतनी ही है, जब तक सटीक जानकारी उपलब्ध हो। क्योंकि गलत नतीजे दर्शाए जाने वाले मीडिया घरानों को जनता विस्मृत कर देती है।

आज कई सर्वे मीडिया घराने पर जनता भरोसा करती है। पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से हर चुनाव के समय का अपरिहार्य बना दिया है। आज 11 नवम्बर को एकटकी लगा टीवी चैनल पर सर्वे के लिए इंतजार कर रहे है। बिना इन सर्वेक्षणों के अभाव में भारत मे चुनावो की कल्पना भी नही की जा सकती है। हालांकि कुछ समाचार चैनल तो साल में कई बार ऐसे सर्वेक्षण करवाते है और इसके जरिये सरकारों की लोकप्रियता को प्रभावित करने वाले मुद्दों की पडताल करते रहते है। ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर भारत मे इन सर्वेक्षणों का अर्थशास्त्र क्या है?आखिरी इन सर्वेक्षणों को करवाने से किसका भला होता है और यदि कोई संगठन पैसे देकर ऐसे सर्वेक्षण करवाता है तो उसका कोई निजी स्वार्थ भी इसमें जुड़ा होता है। बिहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है। कुछ एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है। दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है। जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है। राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।

हालांकि यह देश की तेज गति से तरक्की करने वाले सेक्टर में से एक है। देश में दो सौ से ज्यादा सर्वेक्षण कम्पनिया है जिनकी पूरे देश मे पहुंच है। बाकि अलग अलग शहरों में छोटे स्तर पर काम करती है। लेनदेन या पैसे के मामले में कोई विशेष फायदे नही है। फिर भी कम्पनिया इसलिए चुनावी सर्वे करवाती है कि इन्हें मुफ्त का प्रचार मिल जाता है। यदि किसी चैनल और मीडिया घराने ने ऐसी किसी एजेंसी को पैसे देकर सर्वे कराया तब तो लागत निकलने के साथ साथ कुछ फायदा भी हो जाता है। आज के दौर में चुनाव के पहले मिलने वाले सर्वे के इनपुट से कई दिनों तक पार्टी नेताओं की खुमारी बरकरार रहती है। नींद अच्छी आती है, जबकि विपरीत परिणाम वाले दलों और पार्टी नेताओं के चेहरे मुरझा जाते है।

पिछले कई चुनाव में हम देख रहे है कि अलग अलग एजेंसियों के एक्जिट पोल के नतीजे अलग अलग आते है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि सर्वे का काम सीटों की संख्या बताना नही है। यदि हम वोट शेयर की स्थिति देखेंगे तो पाएंगे कि प्रतिष्ठित कम्पनियो के सर्वे में पार्टीया को मिलने वाले वोट को अनुमान कमोबेश एक जैसा ही होता है। मगर इन वोटो को सीट में बदलने का फार्मूला अलग अलग अपनाने के कारण उनके सीटों के अनुमान में भारी अंतर हो जाता है। भारत मे यह हाल है कि वोट शेयर के बावजूद सीटे ज्यादा आती है और ज्यादा सीटे वाली पार्टी विजय घोषित की जाती है। आज के समय में त्वरित परिणाम की चाह में राजनीतिक दल हर सीमा लांघने के लिए तैयार रहते है। आज सभी की नजरें बिहार चुनाव पर होगी। भारत मे ओपीनियन पोल का पूरा फोकस सिर्फ इस बात पर रहता है कि किसी राजनैतिक दल की कितनी सीटे आएगी। क्योंकि वोट शेयर से सरकार की हार जीत निश्चित नही की जाती है। लेकिन सर्वे का काम सीट बताना है। इनके द्वारा सटीक जानकारी तो नही मिलती है लेकिन हार जीत के समीप जरूर पहुंचा दी जाती है। सर्वे के लिए चुनाव के दौरान हर पत्रकार उस वोटर से मिलकर किस दल को वोट किया है। उसको जानने की जिज्ञासा रहती है और यही आधार सर्वे का हिस्सा बन जाता है।

भारत में मीडिया ने इसे सीटों की संख्या तक सीमित कर दिया है। रमेश कोठारी कहते हैं कि सर्वे के बाद मीडिया की खबरों को देखने से यह साफ हो जाता है कि सीट की संख्या के अलावा और कोई डाटा प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जाता क्योंकि मीडिया के दिग्गज मानते हैं कि बाकी डाटा से दर्शक या पाठक बोर हो जाते हैं। इस सोच ने इन सर्वेक्षणों को मजाक बना दिया है। कई वर्ष पहले देश में सर्वे एजेंसियों पर किए गए स्टिंग ऑपरेशन से यह खुलासा हुआ है कि दरअसल पैसे देकर सीटों के इस खेल को कोई भी अपनी ओर मोड़ सकता है। इस स्टिंग के अनुसार अधिकांश छोटी एजेंसियां पैसे लेकर रॉ डाटा में बदलाव से लेकर अंतिम निष्कर्ष तक में बदलाव करने के लिए तैयार हो गई थीं। ऐसे में माना जाता है कि भारत में चुनावी सर्वे सिर्फ मीडिया हलचल भर बनकर रह गए हैं। अकसर देखा गया है कि न तो राजनीतिक दल उन्हें गंभीरता से लेते हैं और न ही आम जनता उसके आधार पर कोई राय कायम करती है।

हाल के समय में इन सर्वेक्षणों पर भरोसा कम हुआ है। राजूसिंह कहते हैं कि चुनावी सर्वे या फिर चुनाव बाद एक्जिट पोल की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक पद्धति से होती है। मगर दिक्कत तब आती है जब उसमें निजी हित समाहित हो जाता है। ऐसे में सर्वेक्षण की पवित्रता प्रभावित होती है और इससे सही निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते। राजू कहते हैं कि इसी वजह से भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के नतीजों में एकरूपता नहीं होती और इसी के कारण वे असली परिणामों से मेल भी नहीं खाते। किए जाने वाले चुनावी सर्वेक्षणों को मीडिया के जरिए लोगों के सामने पेश करने में उनका चेहरा ही एजेंसी की तरफ से सामने रखा जाता था। उसी के जरिए उन्हें आम जनता में बेहद लोकप्रियता भी मिली। वैसे पिछले करीब 80 फीसदी चुनावों में सीटों का 95 फीसदी तक सही आकलन करने वाली एजेंसी कई है। वे चुनावी सर्वेक्षणों के लिए मार्केट रिसर्च एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय एसोसिएशन द्वारा तय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करते हैं। हालांकी कई उन एजेंसी पर आरोप लगाते हैं कि वे सर्वे के हर श्तर पर कड़ी गोपनीयता बरतते हैं और कभी भी सवाल उठने के बावजूद अपने रॉ डाटा को सार्वजनिक नहीं करते। हालांकि ग्राहकों की निजता को मुख्य वजह बताते हैं। आज अगर देश में सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता खतरे में आ गई है तोउसके लिए पारदर्शिता का अभाव बड़ी वजह है।

लाल किला हादसा: सुरक्षा के घेरे में असुरक्षा

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई, आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया।

यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदश्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था।

विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन-फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं।

दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढ़ाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो फरीदाबाद से जब्त की गई थी। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा है, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी।

लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे श्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है।

फिर भी यदि इस श्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दश्तक नहीं देता। इस धमाके की

भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी।

उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है।

लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफैशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए।

इन दोनों घटनाओं के बीच कड़ियां जुडने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है।

यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था।

बहरहाल, पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं, कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है।

सरकार को त्वरित राहत, मुआवजा और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी होगी। अपराधियों को पकड़ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए, पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हर नागरिक की जागरूकता, तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है, यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर श्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए।

दिल्ली की हवा में आज केवल धुआं नहीं बल्कि चिंता और सवाल तैर रहे हैं और जब तक इन सवालों का जवाब तथ्यों, साक्ष्यों और न्याय की कसौटी पर नहीं मिलता, तब तक यह विस्फोट केवल एक हादसा नहीं रहेगा बल्कि हमारी सामूहिक चेतना पर लगी गहरी चोट की तरह याद किया जाएगा।

देश उम्मीद कर रहा है कि जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करते हुए दोषियों को बेनकाब करेंगी और दिल्ली फिर से वही शहर बनेगी, जो हर संकट के बाद और मजबूत होकर उठ खड़ी होती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सहजीवन की अवधारणा के विपरीत अव्यवहारिक है अदालत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल

सदियों सहस्त्राब्दियों से इंसान और जीव पशु मवेशी सहजीवन जीते आए हैं। मानव ने अपनी ईश्वर प्रदत्त बौद्धिक क्षमता से पशुओं जीवों को अपने नियंत्रण में लेकर उनका उपयोग किया। सामान की आवाजाही से लेकर यात्रा परिवहन तक पशुओं पर आश्रित रहे कभी इंसान अपने भोजन को जुटाने के लिए शिकार के लिए कुत्तों का इश्तेमाल करते थे लेकिन समय के साथ साथ पशुओं के स्थान पर मशीनों का उपयोग विकसित हो गया। अब पशुओं जीवों की उपयोगिता कम हुयी तो अदालतें उनके लिए सीमाएं भी स्थापित करने लगी हैं।

हाल ही में देश में विभिन्न राज्यों में आवारा कुत्तों व अन्य मवेशियों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, यह फैसला सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां, नैतिक वैज्ञानिक प्रश्न, कार्यान्वयन संबंधी रस्साकशी भी जुड़ी हुई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरे पर संज्ञान लेते हुए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और खेल परिसरों जैसे सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाना अनिवार्य है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्यों को आदेश दिया गया है कि राजमार्गों और एक्सप्रेसवे से आवारा मवेशियों और पशुओं को हटाया जाए।

यह फैसला, एक ओर जहां नागरिक सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की दृष्टि से स्वागत योग्य है, वहीं दूसरी ओर इसने पशुप्रेमियों और पशु-अधिकार संगठनों के बीच चिंता और असंतोष भी पैदा किया है। हालांकि देखा जाए तो आवारा कुत्तों-पशुओं से होने वाले हादसे, विशेष रूप से बच्चों पर हमले व रेबीज के बढ़ते मामलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शहरी प्रबंधन और पशु कल्याण की चुनौतियों को एक नए सिरे से उजागर किया है। इस पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को जारी सख्त निर्देशों का महत्व अनायास ही बढ़ गया है।

इस आदेश का उद्देश्य निस्संदेह सराहनीय है। सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता, कब-किसने, किस स्थान पर, कितनी बार आवारा जानवरों ने मानवों पर हमला किया है, उन घटनाओं में बच्चों और बुजुर्गों का सुरक्षा-झुकाब पहले से ही अधिक रहा है। ऐसे में संवेदनशील स्थानों पर जानवरों को उपस्थिति न सिर्फ भय का कारण है, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य जोखिम जैसे रेबीज का प्रसारण का भी जरिया बन सकती है।

अगर देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में देशभर में कुतों के काटने के मामलों में भयावह वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में ही देशभर में लगभग 37 लाख से अधिक लोगों को कुत्तों ने काटा, जबकि रेबीज से हर वर्ष 18 से 20 हजार मौतें होती हैं। अकेले दिल्ली में पिछले वर्ष रेबीज से 54 लोगों की जान गई।

ऐसे में यह स्पष्ट है कि यह केवल पशु अधिकार का नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य का गंभीर प्रश्न बन चुका है। शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों में बढ़ते हमले न केवल बच्चों और बुजुर्गों के लिए भय का कारण बने हैं, बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली को भी बाधित कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि ऐसे परिसरों को आठ सप्ताह के भीतर डॉग-फ्री जोन बनाया जाए, इसी बढ़ते संकट का जवाब है। इस आदेश के विरोध में पशु-अधिकार कार्यकर्ताओं और संगठनों ने भी मुखर प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी सांसद और पशुप्रेमी मेनका गांधी ने इस फैसले को व्यवहारिक रूप से असंभव बताया है। उनका तर्क है कि यदि किसी शहर से 5000 कुत्तों को हटाया भी जाए, तो उन्हें रखा कहां जाएगा? देश में फिलहाल इतने आश्रय गृह नहीं हैं, और न ही उनके संचालन के लिए प्रशिक्षित

जनशक्ति। पेटा इंडिया ने भी इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध किया है। उनका मानना है कि यह फैसला पशुओं के साथ क्रूरता को बढ़ावा देगा और कैच एंड कन्फाइन नीति लंबे समय में समाधान नहीं है। विशेषज्ञों की भी राय माने तो शेल्टर होम्स का निर्माण, संचालन, रख-रखाव संसाधन-गहन होगा।

अनुमान है कि बड़े पैमाने पर कुत्तों को शेल्टर में स्थानांतरित करना भौतिक रूप से कठिन है। पशु कल्याण के दृष्टिकोण से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पर्याप्त शेल्टर लॉजिस्टिक तैयार हैं और वहां जाकर कुत्तों के स्वास्थ्य, देखभाल, मानदंड ठीक से बचे रहेंगे कि नहीं इस पर चिंताएं उठ रही हैं।

जिसमेंपशु-भोजन, सामुदायिक देखभाल, पड़ोसियों द्वारा खिलाने-पानी देने आदि शामिल हैं, अपनी जड़ों में गहरी हैं। यदि इसे अचानक खत्म किया गया तो प्रतिरोध, हिंसा, अनुकूल व्यवहार में गिरावट संभावित है। इसलिए इस आदेश को मानव सुरक्षा बनाम पशु कल्याण की द्वंद्वात्मक विमर्श में देखा जा सकता है। दोनों ही दृष्टिकोण अपनी-अपनी जगह से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि हम मानव जीवन, विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं, तो निःसंदेह यह कदम जायज ठहरता है।

लेकिन अगर हम पशुओं के अधिकार हक, उनकी सामाजिक पारिस्थितिकी तथा मानवीय सहयोग-व्यवस्थाओं को भी महत्व देते हैं, तो हमें यह देखना होगा कि समाधान सख्ती के साथ-साथ संयम और दीर्घकालीन रणनीति पर आधारित हो। मगर यह बात तय है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को केवल पशुओं के खिलाफ कदम समझना भूल होगी। यह कदम मानव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो भी कुत्ते पकड़े जाएं, उनका बंध्याकरण, टीकाकरण और देखभाल पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अनुरूप ही किया जाए। इसका मतलब है कि अदालत ने हत्या या उन्मूलन नहीं, वल्कि प्रबंधन की दिशा में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है।

परंतु इसके साथ यह भी सच है कि इस आदेश को लागू करने के लिए जिस प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारी की जरूरत है, वह फिलहाल राज्यों के पास नहीं है। आवारा कुत्तों और मवेशियों की समस्या केवल प्रशासनिक विफलता का नतीजा नहीं, बल्कि मानव विश्तार की कीमत है।

इंसानी बश्तियों के फैलाव ने जंगलों, चारागाहों और प्राकृतिक आवासों को सिकोड़ दिया है। इसके चलते न केवल वन्यजीव, बल्कि पालतू पशु भी विस्थापित हुए हैं। कई शहरों में ठोस कचरे के ढेर और खुले नालों ने कुत्तों के लिए कृत्रिम आवास तैयार कर दिए हैं। ऐसे में आवारा पशुओं का व्यवहार भी आक्रामक हुआ है यह उनका स्वभाविक नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया जन्य व्यवहार है।

इसलिए समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब इसे केवल सुरक्षा के नहीं, वल्कि पारिस्थितिक संतुलन के दृष्टिकोण से देखा जाए। भारत के लिए यह समय एक समग्र नीति पर पुनर्विचार का है। केवल पकड़ने और हटाने की रणनीति टिकाऊ नहीं होगी। कुछ व्यावहारिक कदम इस दिशा में उठाए जा सकते हैं कि प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक उब्ब मानक वाला पशु आश्रय गृष्ठ स्थापित किया जाए, जिसमें चिकित्सा सुविधा और प्रशिक्षित स्टाफ हो।

कुत्तों को नियंत्रित स्थानों पर नियमित भोजन और पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए, ताकि वे संवेदनशील परिसरों में न घुसें। देश में केवल 30 प्रतिशत कुत्तों का ही टीकाकरण हुआ है। इस अनुपात को 90 प्रतिशत तक पहुंचाना आवश्यक है। नागरिकों को यह सिखाना कि कुत्तों के प्रति सहानुभूति के साथ व्यवहार करते हुए भी उनकी आक्रामकता से कैसे बचा जाए।

नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में कुत्तों की सटीक जनगणना करनी चाहिए, ताकि संसाधनों की सही योजना बन सके। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के माध्यम से यह संकेत दिया है कि संवेदना और सुरक्षा के बीच संतुलन आवश्यक है। न तो पशुओं के प्रति क्रूरता को स्वीकार किया जा सकता है, न ही मानव जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इसी संतुलन की ओर एक कदम है कि एक ऐसी व्यवस्था की ओर, जहां न तो किसी बच्चे को डर में जीना पड़े, न किसी पशु को भूख और हिंसा में मरना पड़े। इंसान और पशु दोनों का अश्तित्व जीवन सुरक्षित रहना चाहिए वरना अदालतों के अश्तित्व और न्याय पर अंगुली उठना लाजिमी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

रोजगार संकट : भारत के आईटी क्षेत्र में छंटनी की लहर

डॉ प्रियंका सौरभ

भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लंबे समय से देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार रहा है। यह क्षेत्र न केवल सेवा निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि लाखों शिक्षित युवाओं को उच्च आय वाले रोजगार भी प्रदान करता रहा है।

परंतु हाल के वर्षों में इसमें एक गहरी हलचल देखी जा रही है। वर्ष 2024–25 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा लगभग 20, 000 नौकरियों में की गई कटौती ने पूरे उद्योग को हिला दिया। यह केवल एक कंपनी का प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय आईटी क्षेत्र में चल रहे एक व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत है।

यह परिवर्तन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन अधिगम और स्वचालित प्रणालियों के तीव्र विस्तार के कारण हो रहा है। जिन कार्यों के लिए पहले सैकड़ों कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब वही कार्य कुछ ही मिनटों में स्वचालित तकनीक द्वारा संपन्न किए जा रहे हैं।

सॉफ्टवेयर निर्माण, परीक्षण, और ग्राहक सेवा जैसे कार्य अब "एजेंटिक एआई" प्रणालियों द्वारा अधिक कुशलता से किए जा रहे हैं। इससे कंपनियों की उत्पादकता तो बढ़ी है, लेकिन मानव श्रम की आवश्यकता घटने लगी है — और यही इस मौन छँटनी की सबसे बड़ी वजह है।

टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और कॉग्निज़ेंट जैसी कंपनियाँ अब पुराने "आउटसोर्सिंग" मॉडल से हटकर "मूल्य आधारित डिजिटल सेवा" मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। यह परिवर्तन सीधे तौर पर मध्यम श्तर के कर्मचारियों को प्रभावित कर रहा है, जिनके कौशल पारंपरिक तकनीकों तक सीमित हैं। वे नई एआई आधारित प्रणालियों के अनुरूप स्वयं को ढाल नहीं पा रहे हैं।

यही कौशल असंगति इस संकट का मूल कारण है। एआई आधारित उपकरणों ने सॉफ्टवेयर उद्योग में मध्य प्रबंधन और सहायक भूमिकाओं को लगभग अप्रासंगिक बना दिया है।

पहले जहाँ "ईआरपी प्रबंधन" या "सिस्टम रखरखाव" के लिए बड़े दलों की आवश्यकता होती थी, अब वही कार्य कुछ प्रोग्राम और क्लाउड स्वचालन प्रणालियाँ पूरी कर देती हैं।

कंपनियों के लिए यह लागत घटाने का साधन है, लेकिन लाखों कर्मचारियों के लिए यह असुरक्षा का कारण बन गया है।

यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका और यूरोप में भी तकनीकी उद्योगों में बजट कटौती और व्यापारिक संरक्षणवाद के कारण भारी परिवर्तन हो रहे हैं। विदेशी ग्राहक अब मानव श्रम आधारित सेवाओं की जगह तकनीक-आधारित समाधान चाहते हैं।

साथ ही, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा शुल्क वृद्धि और स्थानीय भर्ती नीतियों ने भारतीय कंपनियों के लिए विदेशों में कर्मचारियों की नियुक्ति को कठिन बना दिया है। इन सब कारणों से कंपनियाँ घरेलू श्तर पर भी कार्यबल कम करने पर मजबूर हो रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच भारत की शीर्ष पाँच आईटी कंपनियों में लगभग 50, 000 नौकरियाँ समाप्त हुई हैं।

कंपनियाँ इसे "कार्य दक्षता में सुधार" बताती हैं, परंतु वाश्तविकता यह है कि मानव संसाधन की आवश्यकता कम होती जा रही है। यह न केवल आर्थिक चुनौती है, बल्कि सामाजिक रूप से भी चिंता का विषय है, क्योंकि आईटी क्षेत्र देश के सबसे शिक्षित और संगठित वर्ग को रोजगार देता है।

फिर भी, इस परिवर्तन को पूरी तरह नकारात्मक नहीं कहा जा सकता। हर तकनीकी क्रांति अपने साथ अवसर भी लाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने नए क्षेत्र खोले हैं — जैसे डेटा विज्ञान, क्लाउड इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, और एआई मॉडल निर्माण। प्रश्न यह नहीं है कि नौकरियाँ समाप्त हो रही हैं, बल्कि यह कि पुराने कौशल अप्रासंगिक हो रहे हैं और नए कौशलों की मांग बढ़ रही है। अब आवश्यकता है कि सरकार, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र मिलकर समन्वित प्रयास करें। सबसे पहले, राष्ट्रीय श्तर पर "डिजिटल पुनःप्रशिक्षण अभियान" चलाना होगा।

टीसीएस ने स्वयं 5.5 लाख कर्मचारियों को मूल एआई प्रशिक्षण दिया और एक लाख को उन्नत प्रशिक्षण में सम्मिलित किया। यदि इस मॉडल को अन्य कंपनियों और सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाए, तो बड़ी संख्या में पेशेवरों को पुनःकुशल बनाया जा सकता है।

दूसरे, तकनीकी शिक्षा संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में मूलभूत परिवर्तन लाने होंगे। अब केवल प्रोग्रामिंग या नेटवर्किंग नहीं, बल्कि एआई नैतिकता, उत्पाद सोच, डेटा विश्लेषण, और सृजनात्मक समस्या समाधान जैसे विषयों को शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत इन विषयों को शामिल कर युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार किया जा सकता है।

तीसरे, सामाजिक सुरक्षा ढाँचे को मज़बूत करना होगा। छँटनी झेल रहे कर्मचारियों को सेवरेंस पैकेज, पुनःप्रशिक्षण सब्सिडी, और मानसिक स्वास्थ्य सहायता दी जानी चाहिए। भारत में निजी क्षेत्र के अधिकांश कर्मचारी किसी औपचारिक सुरक्षा प्रणाली से बाहर हैं। ऐसे में सरकार को "डिजिटल रोजगार सुरक्षा कोष" या "टेक्नो-कर्मचारी बीमा योजना" जैसी पहल शुरू करनी चाहिए।

चौथे, सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ। एड-टेक कंपनियों, नासकॉम और राज्य सरकारों को मिलकर क्षेत्रीय प्रशिक्षण मिशन शुरू करने चाहिए, ताकि बेरोजगार तकनीकी पेशेवरों को नए कौशल सिखाए जा सकें।

पाँचवाँ, नवाचार और स्टार्ट-अप संस्कृति को और प्रोत्साहित करना होगा। एआई आधारित उत्पाद विकास और डीप-टेक उद्यमिता को बढ़ावा देकर नए रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। सरकार को "स्टार्ट-अप इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। अगर भारत अपने युवाओं को "रोजगार चाहने वाला" नहीं, बल्कि "रोजगार सृजक" बना सका, तो यह संकट अवसर में बदल सकता है।

साथ ही, कंपनियों को अपनी मानव संसाधन नीतियों में संवेदनशीलता लानी होगी। "मौन छँटनी" या "जबरन निष्कासन" जैसी प्रक्रियाएँ कर्मचारियों के आत्मबल को तोड़ देती हैं। तकनीकी विकास तभी सार्थक है जब वह मानवीय मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे।

भारत के पास इस समय एक अनूठा अवसर है। हमारे पास विश्व का सबसे बड़ा युवा तकनीकी कार्यबल है। यदि यह कार्यबल सही दिशा और कौशल के साथ प्रशिक्षित हो सके, तो भारत न केवल आईटी सेवाओं का केंद्र रहेगा बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक युग में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। इसके लिए एक दीर्घकालिक "राष्ट्रीय डिजिटल कौशल मिशन 2030" की रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए।

टीसीएस की छँटनी जैसी घटनाएँ हमें यह चेतावनी देती हैं कि तकनीकी युग में स्थिरता केवल निरंतर सीखने और अनुकूलन से ही संभव है। आने वाले दशक में वही कंपनियाँ सफल होंगी जो तकनीकी दक्षता के साथ-साथ मानवीय कौशल — जैसे विवेकपूर्ण निर्णय, रचनात्मकता और नैतिक सोच — को भी महत्त्व देंगी।

भारत के आईटी क्षेत्र ने विश्व में अपनी पहचान गुणवत्ता, नवाचार और भरोसे के बल पर बनाई है। यह भरोसा तभी कायम रह सकता है जब उद्योग अपने कर्मचारियों को केवल "संसाधन" नहीं, बल्कि "साझेदार" समझे। अब समय आ गया है कि सरकार एक "प्रौद्योगिकी रोजगार नीति" बनाए जो नवाचार और सुरक्षा दोनों का संतुलन स्थापित करे।

तकनीकी क्रांतियाँ हमेशा समाज को दो विकल्प देती हैं — या तो उनके साथ विकसित हुआ जाए, या उनके नीचे दबा जाए। भारत के लिए यही समय है कि वह इस परिवर्तन को अपने अनुकूल बना ले।

यदि देश इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीतिगत समन्वय के साथ संभाल सका, तो यह छँटनी का दौर भविष्य के लिए एक नया अवसर बन सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

सभासद अकरम अल्वी ने निभाई मतदाता सूची सत्यापन में अग्रणी भूमिका

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। स्योहारा में मतदाता सूची सत्यापन और सुधार का कार्य तेजी से चल रहा है। इस महत्वपूर्ण अभियान में वार्ड नंबर 20 के सभासद मौहम्मद अकरम अल्वी ने बूथ लेवल अधिकारी (BLO) के साथ मिलकर उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने न केवल अपने स्वयं के वार्ड 20, बल्कि वार्ड नंबर 4 में भी सक्रिय रूप से पहल की। मौहल्ला शेखान, वार्ड नंबर 4 में, सभासद अल्वी ने अपने निवास स्थान पर मौहल्ले के नागरिकों को बुलाया और स्वयं उनके मतदाता सूची फॉर्म भरवाने एवं जांचने में सहयोग किया। उन्होंने चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत नाम जोड़ने, हटाने और सुधार के कार्य को गति देने का प्रयास किया। इसी तरह, अपने अपने वार्ड 20 में भी सभासद अल्वी ने BLO के साथ मिलकर घर-घर जाकर एसआर फॉर्म (संशोधन फॉर्म) वितरित किए और नागरिकों को उन्हें भरने में मदद की। कार्यक्रम के दौरान, BLO ने लोगों को फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया। सभासद अल्वी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है, वे अपने दश्तावेजों के साथ तुरंत फॉर्म भरवाएं, ताकि किसी को भी मतदान के अधिकार से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा, 'हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतंत्र की बुनियादी जिम्मेदारी है। मैं आगे भी नगर के हर वार्ड में इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनजागरण करता रहूंगा।' मौहल्ले के लोगों ने सभासद अकरम अल्वी के इन प्रयासों की सराहना की। उन्होंने न केवल हर नागरिक की समस्या सुनी, बल्कि मौके पर ही उसका समाधान कराने का भी प्रयास किया। वार्ड 4 और वार्ड 20 दोनों में चलाए गए इस संयुक्त अभियान से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है कि स्योहारा का हर योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल हो सके और लोकतंत्र को मजबूती मिले।

तेज़ रफ़्तार कार खड़े ट्रक से भिड़ी, 3 महिलाओं सहित चार घायल 2 की हालत गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। चांदपुर-बिजनौर मार्ग पर बुधवार दोपहर पीपली मोड़ के पास एक तेज़ रफ़्तार कार खड़े ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में तीन महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। सभी को सीएचसी स्याऊ में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल तीन महिलाओं और एक बच्चे को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर जिले के गांव बहलोलपुर निवासी सोनू गिरि अपनी पत्नी, बच्चे और दो महिलाओं के साथ गांव नंगली (बिजनौर) में आयोजित जागरण में शामिल होने आए थे। दोपहर बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। जब उनकी कार पीपली मोड़ से चांदपुर की ओर कुछ आगे बढ़ी, तभी सड़क के किनारे खड़े ट्रक में तेज़ रफ़्तार कार जा घुसी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई। हादसे में कार सवार तीन महिलाएं और एक बच्चा घायल हो गए। राहगीरों की मदद से सभी को तत्काल सीएचसी स्याऊ पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। डॉ. के अनुसार, घायल महिलाओं के नाम स्वाती (पत्नी दिव्यांशु), उमा (पत्नी सोनू गिरि), सर्वेश (पत्नी गोपाल) तथा चार वर्षीय कृष्ण (पुत्र सोनू गिरि, निवासी बहलोलपुर, बुलंदशहर) हैं। इनमें दो महिलाओं की हालत नाजुक बताई जा रही है — एक के सिर में गंभीर चोट है जबकि दूसरी के पैर में फ्रैक्चर है। सूचना मिलते ही चांदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रश्त कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

ईदगाह नग़ीना के पूर्व इमाम हज़रत मौलाना महमूदुल हसन नूरुल्लाह के सुपुत्र का निधन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। ईदगाह नग़ीना के पूर्व इमाम हज़रत मौलाना महमूदुल हसन नूरुल्लाह मर्कदह के बेटे जनाब नौमान साहब का 11 नवम्बर को दोपहर में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनकी उम्र सिर्फ़ 28 साल थी। मुफ्ती नबील अहमद राशिदी ने जानकारी देते हुए बताया कि नौमान साहब 21 अक्टूबर को मौलाना डॉक्टर खलीक अहमद क़ासमी की भांजी की शादी में शामिल होने के लिए नगीन आ रहे थे। लेकिन गुजरात में राश्ते में गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं और तुरंत नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई दिनों तक इलाज चला, लेकिन अफ़सोस की बात है कि वे 11 नवम्बर को चल बसे। मौलाना डॉक्टर खलीक अहमद क़ासमी ने कहा कि नौमान साहब बहुत नेक, सच्चे, नम्र, परहेज़गार और आदर करने वाले नौजवान थे। उनकी ज़िंदगी सादगी, ईमानदारी और लोगों की सेवा के जज़्बे से भरी हुई थी। इस दुखद मौके पर मौलाना अकील, हाफ़िज़ जमील, हाफ़िज़ शकील, मौलाना असअद, मौलाना वकील, मौलाना मज़हर, मुफ़्ती कफील, मुफ़्ती नबील, हाफ़िज़ हसीब, मौलवी ज़ैद, क़ारी अक़दस आदि ने भी गहरा दुख प्रकट किया। मदरसा जामिया अरबिया राशिदिया नग़ीना और मदरसा नाबीनान नग़ीना में कुरआन खानी और मग़फ़िरत की दुआ का विशेष आयोजन किया गया।

डॉ. शाहीन की ऊंची ख्वाहिशों ने तोड़ा परिवार, डॉ. जफर बोले- विदेश गई-लौटकर नहीं आई और तलाक हो गया

कानपुर , एजेंसी। दिल्ली विस्फोट मामले फंसी डॉ. शाहीन सईद की ऊंची ख्वाहिशों ने न सिर्फ उसका परिवार तोड़ा बल्कि गलत राह पर लाकर खड़ा कर दिया। इन ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए उसने अपनी शादीशुदा जिंदगी की बलि दे दी। उनके तलाकशुदा पति डॉ. हयात जफर का कहना है वह विदेश चली गई, फिर लौटकर नहीं आई और तलाक हो गया।

तलाक के बाद तो हमें उसका पता नहीं है कि कहां है। डॉ. शाहीन ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज वर्ष 2006 में ज्वाइन किया था। उसी दौरान उसकी मुलाकात डॉ. हयात जफर से हुई। डॉ. हयात उससे सीनियर रहे हैं और शहर में प्रैक्टिस किया करते थे। मुलाकात के कुछ दिनों के बाद दोनों ने शादी कर ली।

रिश्तेदार हैं, दोस्त हैं और खुशहाल जिंदगी

डॉ. हयात कहते हैं कि वह अक्सर यूरोप में बसने के लिए कहा करती थी। इसके जवाब में उससे कहते थे कि यहां सब कुछ तो अपना है। रिश्तेदार हैं, दोस्त हैं और खुशहाल जिंदगी है। अपना देश अपना है, यह सब विदेश में तो नहीं मिलेगा। वह बताते हैं कि परिवार में लड़ाई-झगड़ा नहीं होता रहा है। बस सोच अलग रही।

वाकई में उसने ऐसा रास्ता अपनाया है

इसी में एक दिन छोड़कर चली गई। उसके बाद कोई संपर्क नहीं हुआ। यह भी पता नहीं है कि वह विदेश में है या फिर कहीं और। तलाक होने पर तो सब खत्म ही हो गया है। डॉ. शाहीन के फंस जाने के मामले में बोले कि उन्हें कुछ खास जानकारी नहीं है। फिर हैरत से सवाल करने लगे कि वाकई में उसने ऐसा रास्ता अपनाया है। बोले कि छोड़िए जब उससे कोई वास्ता ही नहीं रहा। इसके बाद बात खत्म कर दी। डॉ. हयात इस वक्त केपीएम हॉस्पिटल में तैनात हैं।

नौकरी छोड़ने के बाद खाड़ी देशों में भी रही डॉ. शाहीन

दिल्ली बम ब्लास्ट में डॉ. शाहीन सईद का नाम आने के बाद जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा शिक्षक स्तब्ध रह गए। वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों में चर्चा रही कि वर्ष 2013 में कॉलेज छोड़ने के बाद डॉ. शाहीन ने खाड़ी देशों में भी काम किया। वर्ष 2021 में डॉ. शाहीन समेत पांच और चिकित्सा शिक्षक बर्खास्त हुए थे।

नियुक्ति पत्र और दूसरे अभिलेख अपने साथ ले गई टीम

उन डॉक्टरों ने भी बिना सूचना नौकरी छोड़ी और नोटिसों का जवाब नहीं दिया। डॉ. शाहीन के मामले में मंगलवार को एटीएस की टीम जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज आई। इसके बाद कॉलेज के चिकित्सा शिक्षकों से संबंधित सेक्शन में जाकर अभिलेख देखे। इसके बाद नियुक्ति पत्र और दूसरे अभिलेख अपने साथ ले गई।

खाड़ी देश सऊदी या कुवैत चली गई

टीम ने कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला समेत अन्य अधिकारियों से भी बात की। बाद में प्राचार्य डॉ. काला ने डॉ. शाहीन की फाइल को मंगवाकर देखा। इस मौके पर कॉलेज के अन्य चिकित्सा शिक्षक भी रहे। चिकित्सा शिक्षकों का कहना था कि डॉ. शाहीन के अचानक नौकरी छोड़कर जाने के बाद पता किया जाता रहा कि वह कहां है। इस पर लोगों ने बताया कि खाड़ी देश सऊदी या कुवैत चली गई है।

कुछ पूछने पर चुप्पी साध लेते रहे

बर्खास्तगी के बाद शाहीन का अनुभव प्रमाणपत्र के लिए आवेदन आया, तो पता चला कि अभी लखनऊ में है। उनका कहना था कि डॉ. शाहीन का मिजाज वैसे गंभीर किस्म का रहा है। कॉलेज में सबसे बातचीत रही। सीनियर होने की वजह से वह विभागाध्यक्ष भी रही। निजी जीवन में विवाद के कारण तलाक की नौबत आई। फार्माकोलॉजी विभाग के चिकित्सा शिक्षक डॉ. शाहीन के संबंध में कुछ पूछने पर चुप्पी साध लेते रहे।

ये स्वर्णिम इतिहास का स्मरण कराने वाला क्षण...

लखनऊ में विश्वकप ट्रॉफी का स्वागत करते हुए बोले सीएम योगी

लखनऊ , एजेंसी। देशभर के विभिन्न शहरों से होते हुए जूनियर हॉकी विश्वकप की ट्रॉफी बुधवार को लखनऊ पहुंची। ट्रॉफी के स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए।

इस मौके पर उन्होंने कहा, ÷उत्तर प्रदेश में इस ट्रॉफी का आना उत्तर प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण करवाने वाला क्षण भी है। हॉकी इंडिया में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्वमरणीय है। हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद ने इसी उत्तर प्रदेश की धरती पर जन्म लिया था... उत्तर प्रदेश के अंदर ही मेजर ध्यानचंद की इन स्मृतियों को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय के निर्माण का कार्य कर रही है... इसके साथ ही भारतीय हॉकी से जुड़े हुए और भारतीय हॉकी के बहुत ही यशस्वी खिलाड़ी के.डी. सिंह बाबू का जन्म भी उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए बाराबंकी में स्थित उनके पैतृक आवास को एक बेहतर म्यूजियम के रूप में बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान में कार्रवाई कर रही है।÷

बता दें कि भारत की मेजबानी में चेन्नई और मदुरई में 28 नवंबर से दस दिसंबर जूनियर हॉकी विश्वकप का आयोजन किया जाएगा जिसकी ट्रॉफी बुधवार को लखनऊ पहुंची।

गोड़धोइया नाला: मकान में आई दरारें...खाली कर दें, नोटिस के बाद सामान निकलना शुरू- 4 मकानों पर छाया संकट

गोरखपुर , एजेंसी। गोड़धोइया नाले का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इसे दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। अब तक करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। कार्यदायी संस्था ने नाले से सटे मकानों के पास लोहे की गर्डर लगाकर सुरक्षा के उपाय किए हैं, लेकिन फिर भी दरारें आ रही हैं।

गोड़धोइया नाले के निर्माण के दौरान मंगलवार को शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर एक में चार और मकानों में दरारें आ गईं। सोमवार को भी चार मकानों में दरारें आई थीं। मकानों के क्षतिग्रस्त होने से मोहल्ले में हड़कंप मच गया है। प्रभावित मकानों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें खाली करने का निर्देश दिया गया है।

सोमवार को शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर एक पश्चिम स्थित संगीता पांडेय, सावित्री देवी समेत चार लोगों के मकानों में दरारें आई थीं। जल निगम ने इन मकानों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें खाली करने का निर्देश दिया था। इसके बाद लोगों ने अपना आवश्यक सामान

निकालना शुरू कर दिया।

मंगलवार को भी लोग अपने घरों से सामान निकालने में जुटे रहे। इसी दौरान संगीता पांडेय के मकान से सटे विंदा देवी, पूनम यादव, रमावती मिश्रा और रूपा मिश्रा के मकानों में भी दरारें आ गईं। दरार देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। अब लोग अपने घरों में जाने से डर रहे हैं और किसी अनहोनी की आशंका में सामान सुरक्षित स्थानों पर रख रहे हैं।

मंगलवार सुबह जल निगम के अधिकारियों ने आठों मकानों का स्थलीय निरीक्षण कर मूल्यांकन किया और मुआवजा प्रक्रिया शुरू कर दी। साथ ही नाले से सटे अन्य लोगों से भी अपील की कि जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, वे एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

दिसंबर तक पूरा होगा गोड़धोइया नाले का निर्माण : गोड़धोइया नाले का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इसे दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। अब तक करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। कार्यदायी संस्था ने नाले से सटे मकानों के पास लोहे की गर्डर लगाकर सुरक्षा के उपाय किए हैं, लेकिन फिर भी दरारें आ रही हैं। निर्माण कार्य राजनगर कॉलोनी, शक्तिनगर कॉलोनी, आदित्यपुरी कॉलोनी, शिवपुर सहबाजगंज, संत हुसैन नगर पश्चिमी, घोषीपुरवा, बिछिया और मैत्रीपुरम कॉलोनी में चल रहा है।

धर्मस्थल पर तेज आवाज में बजाया लाउडस्पीकर, आठ मुतवल्ली समेत 24 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरेली , एजेंसी। बरेली में बार-बार चेतावनी के बाद भी तेज आवाज में लाउडस्पीकर का प्रयोग कर रहे शहर के आठ धर्मस्थलों के मुतवल्ली के खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एसएसपी ने बताया कि तीन दिवसीय अभियान के आखिरी दिन कुल 24 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई की गई है।

बारादरी पुलिस जब इलाके में ध्वनि विस्तारक यंत्रों की चेकिंग के लिए निकली तो पाया कि चक महमूद स्थित नूरे ए नवी मस्जिद पर दो लाउडस्पीकर तेज आवाज में बज रहे थे। पुलिस ने मुतवल्ली अब्दुल नवी खां पर रिपोर्ट दर्ज की। फाइक एन्क्लेव स्थित आसिफा जमाल नई मस्जिद पर तीन लाउडस्पीकर बज रहे थे। मुतवल्ली वसीम पर रिपोर्ट दर्ज की गई। सूफीटोला स्थित ठेकेदार वाली मस्जिद पर तीन लाउडस्पीकर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे थे। मस्जिद के मुतवल्ली मुजफ्फर इस्लाम पर बारादरी थाने में रिपोर्ट लिखी गई। कटरा चांद खां स्थित बद्दा खां मस्जिद पर दो लाउडस्पीकर बज रहे थे। मुतवल्ली मोहम्मद इस्हाक पर रिपोर्ट हुई।

कैंट थाने में भी दर्ज हुई रिपोर्ट : कैंट के मोहनपुर स्थित नूरी मस्जिद पर पांच लाउडस्पीकर लगे थे। मुतवल्ली रिहान हुसैन पर कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। कोतवाली के मोहल्ला मेंबरान स्थित माहिगरान मस्जिद पर लगे सुराही की आवाज एक किमी तक जा रही थी। पुलिस ने मुतवल्ली नोमान रजा पर रिपोर्ट दर्ज की है। प्रेमनगर थाना पुलिस शाहबाद स्थित बेले वाले मस्जिद पहुंची तो तेज आवाज में लाउडस्पीकर बज रहे थे।मुतवल्ली जुनैद उर्फ लक्की शाह के खिलाफ प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। दंगे के आरोप में भी दर्ज मुकदमे में भी लक्की शाह नामजद है। उसे नगर निगम चुनाव में भाजपा से पार्षद का टिकट मिल गया था, हालांकि विरोधियों ने आपराधिक रिकॉर्ड लगाकर शिकायत की तो भाजपा ने फैसला वापस ले लिया।

ध्वनि प्रदूषण फैलाने का आरोप : धर्मस्थल पर तेज आवाज में तीन लाउडस्पीकर चलाने पर सेंथल के गौसिया मस्जिद के मुतवल्ली बुंदन खां के खिलाफ मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसआई चंद्रवीर सिंह ने रिपोर्ट में मानक ताक पर रखकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने का आरोप लगाकर कार्रवाई की है।

चेतावनी के बावजूद नहीं हटाए लाउडस्पीकर : शाही थाना क्षेत्र में चेतावनी के बावजूद मस्जिद में लाउडस्पीकर न हटाने पर मुतवल्ली मोहम्मद आरिफ के खिलाफ के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस के अनुसार सब्जीपुर खाता गांव में मस्जिद में लगे चार लाउडस्पीकर तेज आवाज में बजाए जा रहे थे। पुलिस ने तीन लाउडस्पीकर को जब्त कर लिया तो आरिफ नोकझोंक करने लगा।

नवाबगंज के कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि ग्राम रिछोला किफायतुल्ला में दो धार्मिक स्थलों पर तेज ध्वनि से बज रहे दो लाउडस्पीकरों को उतरवाकर कब्जे में ले लिया गया। देवरनियां क्षेत्र निवासी मौलाना अंसार अहमद और रिछोला किफायतुल्ला निवासी मुतव्वली मोहम्मद सलमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बहेड़ी थाना क्षेत्र के भोजडांडी गांव में एक मस्जिद में तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाए जाने के मामले में मंगलवार रात को मुतवल्ली उरमान शाह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इंस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि पुलिस गश्त कर रही थी।

प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की अटेंडेंस के लिए बनी कमेटी

लखनऊ , एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा गठित कमेटी की पहली बैठक 13 नवंबर को होगी। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक की अध्यक्षता वाली 16 सदस्यीय समिति में विभागीय अधिकारियों के साथ शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

जाड़े की छुट्टियों में तबादलों की मांग : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की जाड़े की छुट्टियों में जिले के अंदर व एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की मांग की गई है।

उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने विभाग से इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है ताकि छुट्टियों में इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सके। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि काफी शिक्षक अब भी अपने घरों से दूर हैं, विभाग इनको अपने घर के पास आने का मौका दे।

जल्द होगा पॉलिटेक्निक, अगले सत्र से बेटियों को मिलेगा दाखिला

कानपुर, एजेंसी। बाराबंकी। फतेहपुर की इस महिला पॉलिटेक्निक में अगले सत्र से बेटियों का दाखिला शुरू हो जाएगा और तकनीकी पढ़ाई का सपना साकार होगा। पद सृजन, तैनाती और अन्य औपचारिकताएं पूरी करते हुए संस्थान को क्रियाशील किया जाएगा। डीएम शशांक त्रिपाठी ने संचालन की प्रक्रिया तेज कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तीन जून वर्ष-2016 को फतेहपुर कस्बे में इस महिला पॉलिटेक्निक का शिलान्यास किया था। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से बना यह भवन वर्ष 2022 में तैयार हो गया, लेकिन उदासीनता के चलते इसमें अब तक पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी। बीते वर्षों में यह अत्याधुनिक इमारत झाड़ियों से घिर गई और उपेक्षा का प्रतीक बनकर रह गई थी। भवन की दीवारों पर उगी बेलें सारी हकीकत खुद कह देती हैं।

अखिलेश ने किया था शिलान्यास, योगी से उद्धार की आस' शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फतेहपुर दौरे में इस पर पहल हो गई। डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने भवन की मौजूदा स्थिति और संसाधनों का ब्यौरा शासन को भेजा है, जिसके बाद 2026-27 के सत्र में दाखिला शुरू होने की मंजूरी दी गई है।अब फतेहपुर और आसपास के क्षेत्रों की बेटियों के चेहरे पर उम्मीद की चमक लौट आई है। कस्बे के लोगों का कहना है कि यह पॉलिटेक्निक शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी।

डुप्लीकेट मतदाताओं का आधार बेस पर होगा सत्यापन

बाराबंकी। चुनाव आयोग ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिन मतदाताओं के नाम डुप्लीकेट मतदाता सूची में हैं, उनका सत्यापन अब आधार-आधारित किया जाए। ऐसे मतदाताओं को अपने आधार कार्ड के अंतिम चार अंक उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि सत्यापन का कार्य पूरा हो सके। आयोग के इन निर्देशों के बाद सत्यापन का कार्य और तेजी से शुरू कर दिया गया है। चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के अनुसार जिले में डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या 3 लाख 65 हजार के आसपास है। इन सभी मतदाताओं का सत्यापन बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। इस कार्य में आ रही तकनीकी दिक्कतों को देखते हुए ही आयोग ने यह नया निर्देश जारी किया है।अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह ने बताया कि डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य बीएलओ कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं के नाम सूची में कई स्थानों पर दर्ज हैं, उन्हें अपने आधार कार्ड के अंतिम चार अंक बीएलओ को देने होंगे। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि डुप्लीकेट नाम सूची से हटाकर, केवल वास्तविक मतदाता का नाम ही सूची में शामिल रहे। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है

ड्रैगन फ्रूट का कनपुरिया अवतार...बड़ा और जायकेदार, सीएसए के वैज्ञानिकों ने जैविक खेती की मदद से पाई सफलता

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिकों ने विदेशी फलों के स्वाद और गुणवत्ता को बढ़ाने में बड़ी सफलता हासिल की है। आर्गेनिक खेती की मदद से वैज्ञानिकों ने न केवल फलों की मिठास बढ़ाई बल्कि उनके आकार और वजन में भी सुधार किया है। इसकी शुरुआत ड्रैगन फ्रूट से हो गई है। वैज्ञानिकों ने ड्रैगन फ्रूट की किचन गार्डेन की पौध भी तैयार की है।

कुछ सावधानियों के साथ इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है। सीएसए के उद्यान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि विदेशी फल ड्रैगन फ्रूट को कमलम नाम दिया गया है। इस पर आर्गेनिक खेती का प्रयोग किया गया है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि कमलम की तीन

प्रजातियां होती हैं जिसमें लाल चमड़ी सफेद गूदा, लाल चमड़ी गुलाबी गूदा और पीली चमड़ी सफेद गूदा होता है।

स्थानीय अनुकूलन की दिशा में एक बड़ी पहल : उन्होंने लाल चमड़ी गुलाबी गूदे वाले कमलम पर प्रयोग किया है। वैज्ञानिकों ने विशेष जैविक पोषक तत्वों और प्राकृतिक खाद का उपयोग किया जिससे फल का आकार बढ़ा और वजन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। साथ ही मिठास और सुगंध में भी सुधार मिला। सीएसए के वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रयोग विदेशी फलों के स्थानीय अनुकूलन की दिशा में एक बड़ी पहल है।

किचन गार्डेन के लिए भी तैयार किए जा रहे हैं पौधे : अब यही प्रयोग बारबाडोस की चेरी और मलयेशिया के लाल अमरूद पर भी किया जाएगा, ताकि इन पौधों को भारतीय जलवायु में अधिक उत्पादक और स्वादिष्ट बनाया जा सके। इन फलों के पौधे अब किचन गार्डेन के लिए भी तैयार किए जा रहे हैं, ताकि आम लोग भी अपने घर के आंगन या छत पर इन पौधों को लगाकर ताजे और पोषक फलों का आनंद ले सकें।

ड्रैगन फ्रूट में आया यह फर्क : प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि आर्गेनिक खेती से ड्रैगन फ्रूट की मिठास 15 टीएसएस तक मापी गई, जबकि आमतौर पर यह 11-12 टीएसएस तक होती है। सामान्य ड्रैगन की गोलाई 6.17 सेमी और लंबाई 7.2 लंबाई होती है, जबकि आर्गेनिक विधि से तैयार में फल का आकार आठ सेमी और लंबाई नौ सेमी है। फल का वजन आर्गेनिक में जहां 300 ग्राम प्रति फल होता है जबकि सामान्य में 150 ग्राम तक वजन होता है।

इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को मिली अच्छी और बुरी खबरें

एक तेज गेंदबाज फिट, तो दूसरा बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को बुधवार (12 नवंबर) को अच्छी और बुरी खबरें मिलीं।

दिग्गज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पहले टेस्ट में खेलने के लिए फिट हो गए हैं,लेकिन सीन एबट चोटिल होकर बाहर हो गए हैं। एबट का चोटिल होना इसलिए भी ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका है क्योंकि कप्तान पैट कमिंस चोटिल होने के कारण पहले से ही बाहर है। शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलते हुए हेजलवुड और एबट को हेमस्ट्रिंग में दिक्कत हुई। दोनों को स्कैन के लिए भेजा गया। ऑस्ट्रेलिया को हेजलवुड के फिट होने की राहत भरी खबर मिली, लेकिन एबट के बाहर होने को लेकर बुरी खबर आ गई। हालांकि, एबट का पर्थ में खेलना मुश्किल था। कमिंस की जगह ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में स्कॉट बोलैंड को मौका मिलना तय है। इसके दो अन्य तेज गेंदबाज हेजलवुड और मिचेल स्टार्क होंगे।

ब्रेंडन डोगेट के डेब्यू करने की संभावना बढ़ी

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार एबट के चोटिल होने से इस टेस्ट सीजन में ब्रेंडन डोगेट के डेब्यू करने की संभावना बढ़ गई है।

डोगेट पिछले 12 महीने से ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम के साथ बने हुए हैं। हैमस्ट्रिंग से उबरने के बाद उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए दो बार 5 विकेट लिए हैं। इस बीच कमिंस ने अपने फिटनेस पर अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के नेट्स पर गेंदबाजी करके अच्छा महसूस कर रहे हैं।

वह 4 दिसंबर से गाबा टेस्ट में खेलते दिख सकते हैं।

पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डोगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड का स्क्वाडः

बेन स्टोक्स (कप्तान), हैरी ब्रूक (उपकप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, मार्क वुड।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिए संन्यास के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के सुपरस्टार और धाकड़ फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो का एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। रोनाल्डो वर्तमान में सऊदी अरब के क्लब अल नासर का हिस्सा हैं। उन्होंने अब फुटबॉल से संन्यास लेने के संकेत दिए हैं। हालांकि, 40 साल की उम्र में आज भी रोनाल्डो की फिटनेस लाजवाब है और वह दुनिया के फैशन आइकन भी हैं।

सऊदी फोरम से वीडियो लिंक पर बात करते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 उनका आखिरी वर्ल्ड कप होने के सवाल पर कहा, 'जी हां बिल्कुल। मैं 41 साल का हो जाऊंगा तब तक और मुझे लगता है वो सही वक्त होगा इसके (संन्यास) के लिए।' रोनाल्डो के नाम अभी तक क्लब और इंटरनेशनल मिलाकर कुल 950 से ज्यादा गोल दर्ज हैं। इसमें अब तक 143 इंटरनेशनल गोल भी शामिल हैं।

रोनाल्डो कब लेंगे संन्यास?

पिछले हफ्ते भी रोनाल्डो का एक कमेंट वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था, (यानी जल्द ही संन्यास लेंगे)। हालांकि, इस वीडियो लिंक में सऊदी फोरम से उन्होंने कहा, 'मैं विश्वास दिलाते हुए कहता हूं अगले एक और दो साल में ऐसा होगा। तब तक मैं अभी भी गेम का हिस्सा हूं।' यानी उन्होंने साफ संकेत दे दिया है कि अगले एक या दो साल में वह अपने करियर पर विराम लगा देंगे।

छठा वर्ल्ड कप खेलेंगे अगले साल!

अभी पुर्तगाल की टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है। अगर गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ टीम जीत जाती है तो यूएसए, कनाडा और मेक्सिको में अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के लिए टीम अपनी जगह पक्की कर लेगी। अभी तक उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप नहीं जीता है। 2006 में सेमीफाइनल में फ्रांस से पुर्तगाल को हार मिली थी।

एशियाई खेलों की पदक विजेता मंजू पर लगा पांच साल के लिए प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। इंचियोन एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता तार गोला (हैमर थ्रो) खिलाड़ी मंजू बाला पर डोपिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने यह फैसला लिया है।

नाडा की कार्रवाई

मंजू बाला का परीक्षण डिहाइड्रोक्लोरोमिथाइल-टेस्टोस्टेरोन (स्टेरॉयड) और सार्म्स एलजीडी-4033 (लिगैंड्रोल) जैसी प्रतिबंधित दवाओं के लिए पॉजिटिव आया था। नाडा ने पिछले साल सितंबर में उनके डोपिंग में असफल होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। एडीडीपी के 15 अक्तूबर 2024 को दिए गए फैसले के अनुसार, मंजू बाला का निलंबन 10 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

इन पर भी हुई कार्रवाई

एथलीट मोहन सैनी पर चार साल का प्रतिबंध (14 अक्टूबर 2025 से) लगाया। बॉडीबिल्डर गोपाल कृष्णन, अमित कुमार और राजवर्धन संजय वास्कर पर छह-छह साल का प्रतिबंध लगाया। बॉडीबिल्डर शुभम महारा को चार साल के लिए निलंबित किया गया। मुक्केबाज सुमित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया। कैनोइस्ट नितिन वर्मा और बास्केटबॉल खिलाड़ी शिवेंद्र पांडे पर क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया गया। इस बीच, डोपिंग रोधी अपील पैनल ने 2024 में धाविका हिमानी चंदेल पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को भी बरकरार रखा।

गोल्फः

सदियों का सफर किया तय, ओलंपिक में वापसी के लिए करना पड़ा 112 वर्षों का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्फ उन खेलों में से एक है, जिसे अमीरों का शौक माना जाता है। भले ही इसे साल 1900 में पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया लेकिन इसका इतिहास काफी पुराना रहा है। माना जाता है कि आधुनिक गोल्फ की शुरुआत 15वीं शताब्दी में नीदरलैंड में हुई थी। उस दौर में इसे 'कोल्फ' और 'कोलवेन' के नाम से जाना जाता था, लेकिन 1457 में स्कॉटलैंड के राजा जेम्स द्वितीय ने इस खेल पर बैन लगा दिया, क्योंकि इससे सैन्य प्रशिक्षण में रुकावट आ रही थी। 1502 में इस बैन को हटा लिया गया।धीरे-धीरे ये खेल मशहूर होने लगा। साल 1754 में 'होम ऑफ गोल्फ' कहलाने वाले सेंट एंड्रयू शहर में गोल्फ के नियम भी बनाए गए। पहला गोल्फ संगठन भी यहीं बना। 1860 में प्रेस्टविक गोल्फ क्लब में पहली बार ओपन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया और 19वीं सदी के अंत तक यह खेल ब्रिटेन और अमेरिका सहित दुनियाभर में फैल गया।

1900 के पेरिस ओलंपिक में पहली बार गोल्फ खेला गया। अमेरिका के चार्ल्स एडवर्ड सैंड्स ने पुरुषों के इवेंट को जीता, जबकि महिलाओं के इवेंट को मार्गरेट इवेस एबॉट ने अपने नाम किया। चार साल बाद महिलाओं की प्रतियोगिता को टीम इवेंट के रूप में बदला गया, लेकिन साल 1904 के बाद इस खेल को संगठनात्मक समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय रुचि की कमी के कारण ओलंपिक से हटा दिया गया। इसके बाद गोल्फ को ओलंपिक में लौटने के लिए 112 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। अक्टूबर 2009 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्यों ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्फ को शामिल करने के पक्ष में मतदान किया। आखिरकार, साल 2016 में इसकी ओलंपिक में वापसी हुई और तब से यह खेल ओलंपिक का हिस्सा बना हुआ है। गोल्फ कोर्स पर खेले जाने वाले इस खेल में 'क्लब' और 'बॉल' का इस्तेमाल किया जाता है। एक राउंड में आमतौर पर 18 होल होते हैं। पेशेवर प्रतियोगिताओं में 4 राउंड का खेल होता है। खिलाड़ी को अपने स्ट्रोक को होल में पहुंचाना होता है। इस दौरान उन्हें सैंड ट्रैप्स, पेड़, पानी, रफ सर्फेस और बंकर जैसी बाधाओं का सामना करना होता है। अगर गेंद पानी में चली जाए, तो खिलाड़ियों को पेनाल्टी शॉट खेलना पड़ता है। ऐसे में गोल्फर को पानी के अंदर जाकर फिर से शॉट खेलना होता है।

खिलाड़ी 'टी-शॉट' के साथ खेल की शुरुआत करता है और छोटे-छोटे होल में गेंद को पहुंचाता है। प्रत्येक होल के अलग-अलग अंक होते हैं। स्ट्रोक प्ले गोल्फ में गोल्फर के हर राउंड के 18 होल के अंकों को जोड़ा जाता है। टूर्नामेंट के अंतर में चार राउंड यानी 72 होल के अंकों को जोड़कर चैंपियन की घोषणा की जाती है।

इकलौता बल्लेबाज, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज में छुआ 500 रन का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक 44 मैच खेले गए हैं, जिसमें कई रिकॉर्ड्स टूटे और कई रिकॉर्ड्स बने। क्या आप उस इकलौते खिलाड़ी के बारे में जानते हैं, जिसने भारत-साउथ अफ्रीका के बीच एक ही टेस्ट सीरीज में 500 रन के आंकड़े को छुआ? यह एक भारतीय खिलाड़ी था। यह कारनामा रोहित शर्मा ने अक्टूबर 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में किया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 की औसत के साथ 529 रन बनाए। इस सीरीज में दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने चार पारियां खेलीं, जिसमें 3 शतक लगाए। इस सीरीज में रोहित शर्मा के बल्ले से 62 चौके और 19 छक्के निकले। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। पहली पारी में रोहित शर्मा ने 244 गेंदों का सामना करते हुए 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 7 छक्के और 10 चौके निकले। भारत ने मैच 203 रन से अपने नाम किया। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें भारत ने सिर्फ एक ही पारी खेली। रोहित ने इस दौरान 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली (254) और मयंक अग्रवाल (108) की शानदार पारियों के दम पर टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 137 रन से जीता था।

सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए। उन्होंने 255 गेंदों की पारी में 6 छक्के और 28 चौके लगाए। भारत ने यह इनिंग 497/9 के स्कोर पर घोषित की। मुकाबले को पारी और 202 रन से अपने नाम करते हुए टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स में जीते, कोकी वतानबे को सीधे सेटों में हराया

कुमामोतो (जापान),एजेंसी। भारत के लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां कोकी वतानबे को सीधे गेम में हराकर कुमामोतो मास्टर्स जापान बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। सातवें वरीय लक्ष्य ने जापान के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी सिर्फ 39 मिनट में 21-12 21-16 से हराया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य अगले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन और कनाडा के विक्टर लेई के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

भारत के किरण जॉर्ज को हालांकि मलेशिया के जिंग होंग कोक के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 20-22 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ने प्रेस्ले स्मिथ और जेनी गेई की अमेरिका की जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद भारतीय जोड़ी को तीन गेम में 12-21 21-19 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

ऋषभ पंत से कोई मुकाबला नहीं, लक्ष्य सिर्फ भारत की जीत

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले बोले ध्रुव जुरेल

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साफ़ कहा है कि उनके और ऋषभ पंत के बीच किसी तरह की प्रतिद्वंद्विता नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले जुरेल ने यह स्पष्ट किया कि दोनों खिलाड़ियों का एकमात्र लक्ष्य भारत को जीत दिलाना है।

हाल ही में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ अपने प्रभावशाली प्रदर्शन और शतक के बाद जुरेल ने टीम में अपनी जगह मज़बूत की है। वहीं पंत, चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं, जिससे दोनों के चयन को लेकर चर्चाएं तेज़ हैं। जियोस्टार के शो 'फॉलो द ब्लूज़' में बात करते हुए ध्रुव जुरेल ने साफ़ कहा कि उनके और ऋषभ पंत के बीच कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, 'मेरे और ऋषभ भाई के बीच कोई मुक़ाबला नहीं है। हम दोनों भारत के लिए खेल रहे हैं। जो भी खेले, लक्ष्य एक ही है - भारत को जीत दिलाना। अगर वह खेलते हैं, तो मुझे खुशी होगी। अगर मैं खेलता हूँ, तो भी खुशी होगी। अगर हम साथ खेलते हैं, तो और भी अच्छा।' जुरेल का यह बयान बताता है कि वह टीम भावना और सामूहिक सफलता को व्यक्तिगत पहचान से ज़्यादा महत्व देते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले की उम्मीदः जुरेल ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के पास तेज गेंदबाजी में गहराई है। उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद रोमांचक मुकाबला होगा। उनकी तरफ से रबाडा और मार्को जेनसन हैं, तो हमारी तरफ से बुमराह भाई और अन्य गेंदबाज़। हर तरफ़ से शानदार गेंदबाज़ी देखने को मिलेगी।' कोलकाता की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे यह सीरीज बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच संतुलित टक्कर पेश करेगी।

रोमांचक मुकाबले में डी मिनौर को हराकर मुसेट्टी ने रखीं उम्मीदें बरकरार

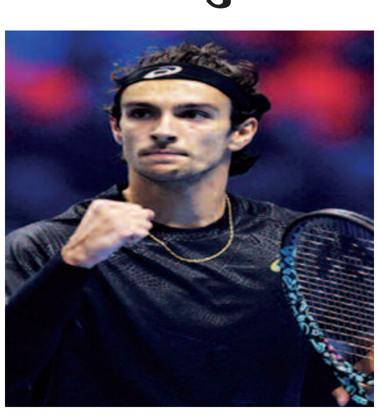

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी टूर फाइनल्स में लोरेंजो मुसेट्टी ने रोमांचक मुकाबले में एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 3-6, 7-5 से शिकस्त दी। इसी के साथ मुसेट्टी ने एटीपी टूर फाइनल्स 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला 2 घंटे 47 मिनट तक चला। लोरेंजो मुसेट्टी ने पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया था, लेकिन दूसरे सेट में वह 3-6 से पिछड़ गए। इसके बाद 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने उस समय अपनी चमक फिर से दिखाई जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। 4-3, 30/30 के स्कोर पर 31 शॉट की शानदार रैली में हारने के बाद मुसेट्टी ने नाटकीय अंदाज में वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर अपने सीजन की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की।

इसी के साथ मुसेट्टी ने जिमी कॉनर्स ग्रुप में 1-1 की बराबरी करते हुए क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को बरकरार रखा है। एटीपी टूर फाइनल्स में पहली बार प्रतिस्पर्धा करते हुए, मुसेट्टी ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर क्वालीफाई किया। वह मोंटे-कार्लो, चेंगदू और हाल ही में पिछले हफ्ते एथेंस में फाइनल में पहुंचे और इस सीजन में 45-21 का रिकॉर्ड बनाया। 2025 से पहले, इस इतालवी खिलाड़ी ने कभी भी एक साल में 40 से ज्यादा टूर-स्तरीय जीत दर्ज नहीं की थी। अब वह इस उपलब्धि को बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। लोरेंजो मुसेट्टी गुरुवार को अपने तीसरे मैच में पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे।

ओलंपिक के सबसे पुराने खेलों में शामिल है साइकिलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साइकिल मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का एक बेहतरीन और सुविधाजनक साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल आज भी सबसे ज्यादा उपयोग में लाया जाने वाला परिवहन का साधन है। नियमित साइकिल से व्यक्ति का स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।

भारत सरकार भी देश में स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने के लिए चलाए जा रहे 'फिट इंडिया कार्यक्रम' के माध्यम से साइकिलिंग को बढ़ावा दे रही है। लेकिन, क्या आपको पता है कि साइकिलिंग एक खेल भी है और विश्व के सबसे पुराने और बड़े खेल मंच में इसकी प्रतिस्पर्धा होती है। जानकारी के मुताबिक साइकिल का उदय या चलाने की शुरुआत 1816 में मध्य जर्मनी में हुई थी। पहली आधिकारिक साइकिल रेस 1868 में फ्रांस में हुई थी।

पहले ओलंपिक का आयोजन 1896 में एथेंस में हुआ था। आपको जानकर हैरानी होगी कि 1896 से ही साइकिलिंग ओलंपिक का हिस्सा रहा है। महिलाओं को ओलंपिक में साइकिलिंग प्रतिस्पर्धा में उम्मीदवारी देर से मिली। महिलाओं को पहली बार 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जोड़ा गया था। दोनों वर्ग के लिए व्यक्तिगत टाइम ट्रायल 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पेश किया गया था। ओलंपिक में मुख्य रूप से पांच तरह की साइकिलिंग होती है :-

रोड साइकिलिंगः इसमें लंबी दूरी की दौड़ होती है। यह रोड रेस और इंडिविजुअल टाइम ट्रायल जैसी स्पर्धाओं में विभाजित है।

ट्रैक साइकिलिंगः यह ट्रैक पर आयोजित की जाती है, जिसमें स्प्रिंट, टीम परस्यूट, और ओम्नियम जैसी कई तरह की स्पर्धाएं शामिल हैं। **माउंटेन साइकिलिंगः** इस स्पर्धा में एथलीट ऑफ-रोड कोर्स पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसे 1996 में ओलंपिक में पेश किया गया था। **बीएमएक्स रेसिंगः** यह एक बाधा कोर्स पर आयोजित एक तेज गति की दौड़ है। इसे 2008 में ओलंपिक कार्यक्रम में जोड़ा गया था। **बीएमएक्स फ्रीस्टाइलः** यह एक नई स्पर्धा है जिसमें एथलीट करतब दिखाते हैं और इसे 2020 में ओलंपिक में शामिल किया गया था। ग्रेट ब्रिटेन के जेसन केनी के नाम ओलंपिक खेलों में साइकिलिंग में सर्वाधिक स्वर्ण पदक (7) और सर्वाधिक कुल पदक (9) जीतने का रिकॉर्ड है। वहीं फ्रांस ने साइकिलिंग में 41 स्वर्ण पदक जीते हैं, जो ओलंपिक खेलों में किसी भी देश से सर्वाधिक है। फ्रांस ने कुल 93 पदक जीते हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने कुल 100 ओलंपिक साइकिलिंग पदक जीते हैं, जिनमें 38 स्वर्ण, 35 रजत और 27 कांस्य पदक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 60 पदक जीते हैं, जिनमें 17 स्वर्ण, 22 रजत और 21 कांस्य पदक हैं।